हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 194 बेमेतरा, रविवार 08 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

मिडिल ईस्ट संकट का असर भारत की रसोई तक

नईदिल्ली। देश में बढ़ती महंगाई के बीच आम लोगों के लिए एक और चिंता बढ़ाने वाली खबर सामने आई है। घरेलू रसोई गैस यानी एलपीजी सिलेंडर की कीमत में बढ़ोतरी की खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय हालात और कच्चे ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी का असर अब घरेलू बाजार पर भी दिखाई देने लगा है। खासतौर पर अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव और युद्ध जैसी स्थिति के कारण ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ गई है, जिसका असर एलपीजी की कीमतों पर भी पड़ सकता है।

अब जन्म के साथ बनेगा आधार

नईदिल्ली। भारत में आधार कार्ड आज सबसे महत्वपूर्ण पहचान दस्तावेजों में से एक बन चुका है। बैंक खाता खुलवाने से लेकर मोबाइल सिम खरीदने, स्कूल में दाखिला कराने, सरकारी योजनाओं का लाभ लेने और कई प्रशासनिक प्रक्रियाओं में आधार की आवश्यकता पड़ती है। इसी कारण सरकार लगातार पहचान से जुड़े दस्तावेजों को आपस में जोड़कर व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और सरल बनाने की दिशा में काम कर रही है।

केंद्र ने ग्रीन अमोनिया और मेथनॉल के लिए नए मानक तय किए

नईदिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन को गति देने के लिए शनिवार को ग्रीन अमोनिया और ग्रीन मेथनॉल के लिए नए मानक अधिसूचित किए। इन मानकों का उद्देश्य ग्रीन हाइड्रोजन से बनने वाले ईंधन के व्यापार और उपयोग को बढ़ावा देना है। नई और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, ये मानक 27 फरवरी 2026 को अधिसूचित किए गए हैं। इनमें यह तय किया गया है कि किन शर्तों और उत्सर्जन सीमा के तहत अमोनिया और मेथनॉल को ग्रीन श्रेणी में रखा जाएगा।

सरकार ने निर्यातकों को राहत देने के लिए उठाया कदम

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आए व्यावधान के बीच सरकार ने निर्यातकों को राहत देने का मन बनाया है। इस बारे में सरकार की ओर से शनिवार को कुछ बड़े एलान किए गए। पिछले महीने ईरान पर अमेरिका और इस्त्राइल के साझा हमले के बाद व्यापारिक जहाजों की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। इस चुनौतीपूर्ण माहौल में निर्यातकों को असमंजस की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर 'लखपति दीदी संवाद', लखपति दीदियों ने सुनाई सफलता की कहानी

महिला सशक्तिकरण के नवयुग की ओर अग्रसर छत्तीसगढ़: सीएम

रायपुर। छत्तीसगढ़ की महिलाएं आत्मनिर्भरता, मेहनत और नवाचार के बल पर नई पहचान बना रही हैं और हमारी सरकार उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। ये बातें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रायपुर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'लखपति दीदी संवाद' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में प्रदेशभर से आई स्व-सहायता समूह की हजारों महिलाएं और लखपति दीदियां उत्साहपूर्वक शामिल हुईं।

कार्यक्रम में डिप्टी सीएम विजय शर्मा, मंत्री टंकराम वर्मा, गुरु खुशवंत साहेब, लक्ष्मी राजवाड़े, विधायक सुनील सोनी समेत बड़ी तादाद में महिलाएं मौजूद थी। कार्यक्रम के दौरान इनक्यूबेशन परियोजना का मुख्यमंत्री ने शुभारंभ किया। इस परियोजना का उद्देश्य सूक्ष्म और लघु उद्योगों की मदद करना है। तीन साल की परियोजना की लागत 10 करोड़ 70 लाख रखी गई है।

बिहान योजना से जुड़ने के बाद जिंदगी बदली-राजकुमारी- कार्यक्रम में दो संभाग स्तरीय FPO और एक राज्य स्तरीय लाइव स्टॉक मार्केटिंग फेडरेशन का भी शुभारंभ किया गया। इसके जरिए महिला किसानों को बकरी पालन वैल्यू चैन के विभिन्न चरणों में शामिल करके उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान बस्तर की बेटी राजकुमारी कश्यप ने सीएम से सीधा संवाद करते हुए संघर्ष से सफलता की अपनी कहानी सुनाई। मंच पर पहुंचकर राजकुमारी कश्यप ने कहा-मैं बस्तर की बेटी हूं, जहां कभी नक्सल का गढ़ हुआ करता था, उस समय बाइक से निकलने में भी डर लगता था, मैं घर से बाहर तक नहीं निकलती थी। बिहान योजना से जुड़ने के बाद उनकी जिंदगी बदली। राजकुमारी ने बताया कि पहले वे किसी समूह से जुड़ी नहीं थी और कुछ भी नहीं जानती थी, लेकिन मुर्गी पालन से अपने व्यवसाय की शुरुआत की। आज वे हर महीने 35 से 40 हजार रुपये तक की कमाई कर रही हैं। इसी कमाई से उन्होंने अपने बेटे के लिए ट्रैक्टर भी खरीदा है। राजकुमारी कश्यप ने बताया कि आज मैं लखपति बन चुकी हूं, आने वाले दिनों में करोड़पति बनने का सपना है।

छत्तीसगढ़ कला किताब और कॉफी टेबल बुक का हुआ विमोचन- कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कॉफी टेबल बुक किताब का भी विमोचन किया। लखपति दीदियों की सफलता की कहानी इस किताब में मौजूद है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ कला किताब का भी विमोचन मुख्यमंत्री ने किया। इस किताब में दीदियों के उत्पादों को बाजार में किस क्रम द्वारा लाया जाता है, इसका जिक्र किया गया है। इंक्यूबेशन परियोजना के शुभारंभ के साथ लखपति दीदियों का सम्मान भी मुख्यमंत्री ने किया। इसके साथ ही लखपति दीदी ग्राम पोर्टल का भी अनावरण किया गया।

अब तक 200 महतारी सदन बनकर तैयार- डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने बताया कि मैं गुजरात दौरे पर गया था, वहां एक डेयरी है। डेयरी का टर्न ओवर 21 हजार करोड़ रुपए है। आगामी दिनों में उनका लक्ष्य 24 हजार करोड़ रुपए टर्नओवर करने का है। डिप्टी सीएम के अनुसार हमारे भी छत्तीसगढ़ के स्व सहायता समूह का लक्ष्य 1000 करोड़ रुपए के ऊपर का होना चाहिए। अब तक 200 महतारी सदन बनकर तैयार है, ताकि सभी दीदियां अपना काम आसानी से कर सके। डिप्टी सीएम ने बताया कि आने वाले समय में जैसे आप फूड ऑर्डर करते हैं, वैसे ही एक एप्लीकेशन होगा, जिसमें महिला स्व सहायता समूह की सभी सामग्री मिलेगी और उसकी घर तक डिलीवरी भी होगी।

लखपति दीदियों को करोड़पति बनाने दी जाएगी ट्रेनिंग: सीएम

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष में पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा लखपति दीदी संवाद कार्यक्रम 2026 का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पहली बार इस तरह का कार्यक्रम हुआ। पूरे प्रदेश की लखपति दीदियों की उपस्थिति देखी गई। लखपति दीदियों ने अपनी सफलता की कहानी भी सुनाई, उन्हें बहुत-बहुत बधाई। पूरे प्रदेश की माता- बहनों को उनसे प्रेरणा मिलेगी।

माता बहनों के साथ खड़ी है सरकार

सीएम ने कहा, सरकार माता बहनों के साथ खड़ी है। आगे भी महिला सशक्तिकरण की दिशा में काम किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास विभाग की तरफ से बकरी पालन क्लस्टर योजना का शुभारंभ हुआ है। आईआईएम रायपुर के साथ सरकार ने एमओयू भी किया है, जिसके तहत अब लखपति दीदियों को करोड़पति बनाने के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि यदि पूरे गांव की दीदियां लखपति हो गईं तो उस गांव को लखपति घोषित करने की योजना है।

विकसित छत्तीसगढ़ में लखपति दीदियों का अहम योगदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज एक बेटी शिक्षित होती है तो दो घर को आबाद करती है। इस योजना की शुरूआत के लिए सीएम ने पीएम मोदी को बधाई भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ में लखपति दीदियों का अहम योगदान है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार आपके साथ है। महतारी वंदन योजना के तहत हर माह 1 हजार रुपए दीदियों के खाते में भेजे जाते हैं। सरकार माताओं- बहनों को आर्थिक रूप से आगे बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। छत्तीसगढ़ में 8 लाख लखपति दीदियां है, जिन्हें बढ़ाकर दस लाख तक के करने का लक्ष्य है।

डिप्टी सीएम शर्मा बोले-पूरा गांव लखपति दीदी बनेगा

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के भारसाधक मंत्री विजय शर्मा ने अपने उद्बोधन में बताया कि मुख्यमंत्री जी रोज पूछते हैं कि कितना काम हुआ है, हम उन्हें रोज का पूरा ब्यौरा देते हैं कि हमने कितना काम किया है। आज छत्तीसगढ़ में महिलाओं के साहस से 8 लाख महिलाएं लखपति दीदी बन गई है। अब यह दीदी लखपति से करोड़पति दीदी बनने की तैयारी में है।

खेत में अफीम की खेती करने वाले विनायक को भाजपा ने किया निलंबित

रायपुर। अपने खेत में अफीम की खेती करने वाले विनायक ताम्रकार को भाजपा ने पार्टी से निलंबित कर दिया है। विनायक, पार्टी के राइस मिल प्रसंस्करण प्रकल्प का प्रदेश संयोजक था। पार्टी ने कहा कि विनायक का यह कृत्य अनुशासनहीन और छवि धूमिल करने वाला है। आपका यह कृत्य पार्टी अनुशासनहीनता करने की श्रेणी में आता है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव ने आपको उपरोक्त कृत्य के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा । बता दें कि पुलिस ने कल ही दुर्ग में शिवनाथ नदी पार समोदा में विधायक की खेत में नौ एकड़ में अफीम की फसल को बरामद किया था। यह अफीम, मक्के की फसल के बीच लगाया था। इस मामले में विनायक का बेटा भी शामिल है। फिलहाल विनायक पुलिस हिरासत में है।

भारत को अमेरिका के साथ प्रतिस्पर्धी देशों से बेहतर ट्रेड डील मिली

नई दिल्ली। उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत को अमेरिका के साथ अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर व्यापार समझौता मिला है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच संबंध बेहद मजबूत और बहुआयामी हैं।

गोयल ने पहले भी यह दावा किया है। रायसीना डायलॉग में बोलते हुए गोयल ने कहा कि अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसकी अर्थव्यवस्था करीब 30 ट्रिलियन डॉलर की है और इसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध बेहद सकारात्मक रहे हैं और पिछले वर्ष के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने भी भारत और नरेंद्र मोदी की सराहना की है। गोयल ने कहा कि भारत और अमेरिका रणनीतिक साझेदार हैं और दोनों दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। उनके अनुसार व्यापार समझौते का उद्देश्य अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले बेहतर बाजार पहुंच दिलाना होता है और इस मामले में भारत को सबसे अच्छा समझौता मिला है।

उन्होंने कहा कि भारत को यह बढ़त अपने पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ-साथ एशिया के अन्य प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में मिली है।

कड़ी मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं: साय

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में 35वीं रैंक प्राप्त करने वाली वैभवी को मुख्यमंत्री ने दी बधाई

रायपुर। संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में 35वीं रैंक प्राप्त करने वाली सुश्री वैभवी अग्रवाल ने आज मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में भेंट की। मुख्यमंत्री श्री साय ने सुश्री वैभवी को मिठाई खिलाकर उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुश्री वैभवी अग्रवाल ने अपनी प्रतिभा, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के बल पर यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि वैभवी की यह सफलता प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियाँ यह संदेश देती हैं कि लक्ष्य के प्रति समर्पण, अनुशासन और निरंतर प्रयास से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।

कलेक्टर ने यूपीएससी में 35वां स्थान प्राप्त करने वाली वैभवी का किया सम्मान

यूपीएससी 2025 में 35वां स्थान हासिल कर जिले का नाम रोशन करने वाली सुश्री वैभवी अग्रवाल के निवास पहुंचकर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने मिठाई खिलाकर, पुष्पगुच्छ तथा प्रेरक पुस्तक भेंट कर बधाई दी और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप, जिला पंचायत सीईओ श्री कुमार बिश्वरंजन तथा रायपुर एसडीएम श्री नंदकुमार चौबे सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भारत वो देश, जो किसी भी पक्ष से बात कर सकता है

वैश्विक तनाव के बीच बोले फिनलैंड के राष्ट्रपति

मुंबई (ए)। फिनलैंड के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब ने शनिवार को भारत की जमकर सराहना की है। मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल है, जो वैश्विक विवादों में हर पक्ष से बात कर सकता है।

उन्होंने भारत की विदेश नीति को बहुत व्यावहारिक और वास्तविक बताया। स्टब के अनुसार, भारत की यह खूबी उसे अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक विशेष स्थान दिलाती है। यह बात उन्होंने बढ़ती भू-राजनीतिक तनावों के बीच कही। राष्ट्रपति स्टब ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। मुंबई में समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए उन्होंने इस मुलाकात का जिक्र किया। स्टब ने कहा, भारत के प्रधानमंत्री के साथ तीन घंटे बिताना मेरे लिए सम्मान और सौभाग्य की बात थी। हमने विश्व भर के संघर्षों, चीन, अमेरिका, रूस और यूरोप के साथ संबंधों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों पर भी व्यापक और सार्थक बातचीत की। स्टब ने कहा कि आधुनिक संघर्ष स्थानीय युद्धों से आगे बढ़कर क्षेत्रीय संकट बन गए हैं। उन्होंने कहा स्थिति नाजुक है। स्टब ने क्षेत्र में तनाव कम करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही देश झगड़ों से दूर रहने की कोशिश करें, लेकिन कोई भी इसके ग्लोबल असर से बचा नहीं जा सकता, क्योंकि इससे तेल की कीमतें, व्यापार और समुद्री मार्ग हमेशा प्रभावित होते हैं।

तेलंगाना में नक्सलियों का बड़ा सरेंडर

सीएम रेड्डी की मौजूदगी में 130 माओवादियों ने डाले हथियार

हैदराबाद। तेलंगाना में माओवादी संगठन को एक बड़ा झटका लगा है. मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के सामने 31 मार्च, 2026 से पहले बड़ी संख्या में माओवादी कैडरों ने शुक्रवार आत्मसर्पण कर दिया.

अलग-अलग स्तर के कुल 130 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है. इनमें संगठन के 3 स्टेट कमेटी मेंबर, 1 रीजनल कमेटी मेंबर, 10 डिवीजनल/डीवाईसीएम स्तर के कैडर, 40 एरिया कमेटी मेंबर और करीब 70 पार्टी मेंबर शामिल बताए जा रहे हैं. आत्म समर्पण में बड़ी संख्या में बस्तर मूल के माओवादी शामिल हैं. PLG बटालियन में सक्रिय 42, तेलंगाना स्टेट कमेटी में सक्रिय 30, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े 32, 2nd सीआरसी के 16 और केंद्रीय समिति सदस्य देवजी की टीम से जुड़े 10 माओवादियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा है.

130 माओवादियों पर 4.18 करोड़ रुपए का था इनाम- इन माओवादियों के ऊपर 4 करोड़ 18 लाख 20 हजार रुपए का ईनाम घोषित है. आत्मसमर्पण के दौरान माओवादियों ने सुरक्षा एजेंसियों के सामने भारी मात्रा में हथियार और युद्ध सामग्री भी सौंप दी. बरामद हथियारों में 1 इंसास एलएमजी, 21 AK-47, 21 इंसास रायफल, 20 एसएलआर, 18 .303 रायफल, 1 नौ एमएम कार्बाइन, 2 नौ एमएम पिस्टल, 2 आठ एमएम बोल्ट-एक्शन रायफल, 18 कंट्री मेड गन और 2 बीजीएल शामिल हैं. सुरक्षा बलों के लगातार दबाव और सरकार की पुनर्वास नीति के चलते माओवादी कैडरों ने मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया है. बड़ी संख्या में हुए इस सामूहिक समर्पण को सुरक्षा एजेंसियां माओवादी संगठन के लिए एक बड़ा झटका मान रही हैं. सरकार का कहना है कि जो भी उग्रवादी हिंसा का रास्ता छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौटना चाहते हैं, उनके लिए पुनर्वास और नई शुरुआत के सभी रास्ते खुले हैं।

भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति में बढ़ोतरी

भारत में 308 अरबपति, दुनिया में तीसरे नंबर पर पहुंचा देश

नईदिल्ली (ए)। भारत में तेजी से बढ़ती आर्थिक गतिविधियों और उद्यमिता के चलते अरबपतियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हाल ही में जारी हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2026 के अनुसार भारत में अब कुल 308 अरबपति हो गए हैं। यह संख्या पिछले साल की तुलना में 24 अधिक है।

इस बढ़ोतरी के साथ ही भारत अरबपतियों की संख्या के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस सूची में भारत से आगे केवल अमेरिका और चीन हैं। रिपोर्ट के अनुसार पिछले एक वर्ष में भारत में 57 नए अरबपति जुड़े हैं, जो अमेरिका और चीन के बाद सबसे ज्यादा है। हालांकि इसी दौरान 27 लोग ऐसे भी रहे जो किसी कारणवश इस सूची से बाहर हो गए। हुरुन अनुसंधान संस्थान की रिपोर्ट बताती है कि भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एक साल में उनकी कुल संपत्ति करीब 10 प्रतिशत बढ़कर 112.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इस दौरान 199 अरबपतियों की संपत्ति में बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि 109 अरबपतियों की संपत्ति या तो घटी है या फिर उसमें कोई खास बदलाव नहीं हुआ। रिपोर्ट के अनुसार भारत के कुल अरबपतियों में लगभग 7 प्रतिशत महिलाएं हैं।

मुकेश अंबानी रहे भारत और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति- रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एक बार फिर भारत और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। उनकी कुल संपत्ति लगभग 9.8 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है। पिछले साल की तुलना में उनकी संपत्ति में करीब 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं अदानी ग्रुप के प्रमुख गौतम अडानी दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। हालांकि उनकी संपत्ति में करीब 14 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है और अब उनकी कुल संपत्ति लगभग 7.5 लाख करोड़ रुपये रह गई है। तीसरे स्थान पर एचसीएल टेक्नोलॉजीज की चेयरपर्सन रोशनी नाडर मल्होत्रा हैं। उनकी संपत्ति लगभग 3.2 लाख करोड़ रुपये है।

हेल्थकेयर सेक्टर से सबसे ज्यादा नए अरबपति

रिपोर्ट के अनुसार इस साल सबसे ज्यादा नए अरबपति हेल्थकेयर सेक्टर से सामने आए हैं। इस क्षेत्र से 53 नए नाम सूची में शामिल हुए। इसके बाद औद्योगिक उत्पाद क्षेत्र से 36 और उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र से 31 नए अरबपति जुड़े। हालांकि अरबपतियों की कुल संपत्ति के लिहाज से ऊर्जा क्षेत्र सबसे आगे रहा। ऊर्जा क्षेत्र के केवल आठ अरबपतियों के पास कुल 18.3 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, जो भारत के कुल अरबपति धन का लगभग 16 प्रतिशत हिस्सा है।

सीएम ममता बनर्जी की हुंकार: धरने के दूसरे दिन कहा-

दिल्ली की सरकार दया पर टिकी ज्यादा दबाव डाला तो गिरा दूंगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने धरना कार्यक्रम के दूसरे दिन केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अगर ज्यादा दबाव बनाया गया तो वह दिल्ली की सरकार भी गिरा सकती हैं।

उन्होंने कहा, मैं जानती हूं चंद्रबाबू नायडू की दया पर तुम्हारी सरकार बनी हुई है। कोलकाता में जारी धरना मंच से मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को सावधान रहना चाहिए, क्योंकि बंगाल की जनता को कमजोर समझने की भूल नहीं करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वोट काटकर बंगाल को बांटने की कोशिश पहले भी की गई, लेकिन यह सफल नहीं हो सकी। बंगाल लड़ना जानता है और यहां के लोग लोकतंत्र की रक्षा करना भी जानते हैं।

दिल्ली की सत्ता को भी चुनौती देने से पीछे नहीं

ममता बनर्जी ने केंद्र की गठबंधन राजनीति पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि दिल्ली की मौजूदा सरकार सहयोगी दलों के सहारे टिकी हुई है। उन्होंने चंद्रबाबू नायडू का नाम लेते हुअ कहा, कुछ लोग दूसरों की दया पर टिके हुए हैं, और यदि स्थिति ज्यादा बिगड़ी तो वह दिल्ली की सत्ता को भी चुनौती देने से पीछे नहीं हटेंगी। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के मुद्दे को लेकर भी संकेतात्मक टिप्पणी की।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस विशे : कच्चे मकान से पक्के आशियाने तक, ग्राम उफरा की बासन बाई यादव के संघर्ष और आत्मविश्वास की प्रेरक कहानी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समाज में ऐसी अनेक महिलाओं की कहानियाँ सामने आती हैं, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी अपने साहस, धैर्य और आत्मविश्वास से जीवन को नई दिशा दी। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी जिला बेमेतरा के ग्राम पंचायत उफ्रा की निवासी 70 वर्षीय श्रीमती बासन बाई यादव की है, जिनके जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने एक नया उजाला भर दिया। जिला स्तरीय महिला सम्मेलन/महिला मड़ई के अवसर पर बासन बाई यादव की कहानी इस बात का उदाहरण बनकर सामने आई कि सरकारी योजनाओं का सही लाभ मिलने पर गरीब और जरूरतमंद परिवारों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन संभव है। वर्षों तक कच्चे और जर्जर मकान में जीवन बिताने वाली बासन बाई आज अपने पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन व्यतीत कर रही हैं।

संघर्ष और कठिनाइयों से भरी जिंदगी-छत टपकती थी उसके कच्चे मकान की, फ्रि भी इरादा मजबूत था बासन बाई की।÷ ये पंक्तियाँ बासन बाई यादव के जीवन के संघर्ष और उनके मजबूत इरादों को बखूबी दर्शाती हैं। ग्राम पंचायत उफ्रा की रहने वाली बासन बाई यादव एक बुजुर्ग विधवा महिला हैं, जो अपनी बेटी और दामाद के साथ रहती थीं। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उनके पास रहने के लिए केवल एक कच्चा और जर्जर मकान ही था। घर की हालत इतनी खराब थी कि उसमें ठीक से बैठने और सोने तक की जगह नहीं होती थी। बरसात के मौसम में मकान की छत से पानी टपकता रहता था और पूरा घर भीग जाता था। बरसात की रातें उनके लिए सबसे ज्यादा कठिन होती थीं। पानी टपकने के साथ-साथ सांप और बिच्छू जैसे जहरीले जीवों के घर में घुस आने का खतरा हमेशा बना रहता था। ऐसी स्थिति में पूरा परिवार डर और चिंता के बीच रात गुजारने को मजबूर था।

प्रधानमंत्री आवास योजना बनी जीवन की नई उम्मीद-बासन बाई यादव के जीवन में बदलाव की शुरुआत तब हुई, जब उनका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत हुआ। जब उन्हें योजना की पहली किस्त प्राप्त हुई, तो उनके जीवन में नई उम्मीद की किरण जाग उठी। उन्होंने तुरंत अपने पक्के घर के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया। घर निर्माण में उनकी बेटी और दामाद ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने श्रमदान करते हुए पूरे मन से घर बनाने में सहयोग दिया। निर्माण कार्य के दौरान उन्हें लगभग 90 मानव दिवस का रोजगार भी प्राप्त हुआ, जिससे परिवार को आर्थिक सहयोग भी मिला।ग्राम पंचायत और प्रशासन के सहयोग से उन्हें योजना की सभी किस्तें समय पर प्राप्त हुई और जल्द ही उनका पक्का मकान बनकर तैयार हो गया।

अब मिला सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास-घर का निर्माण पूर्ण होने के बाद बासन बाई यादव अपने नए पक्के मकान में रहने लगी हैं। यह मकान उनके लिए केवल एक घर नहीं, बल्कि उनके संघर्ष और आत्मविश्वास की जीत का प्रतीक है। अब उन्हें बरसात में छत टपकने की चिंता नहीं रहती और न ही सांप-बिच्छू का डर सताता है। पक्के घर ने उन्हें सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन प्रदान किया है। बुढ़ापे में यह घर उनके लिए एक मजबूत सहारा बन गया है, जहां वे सुकून और गर्व के साथ अपना जीवन व्यतीत कर रही हैं।

योजना ने लौटाई चेहरे की मुस्कान-बासन बाई यादव कहती हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके जीवन को बदल दिया है। पहले जहां उन्हें अपने घर की खराब स्थिति को लेकर चिंता रहती थी, वहीं आज अपने पक्के घर को देखकर उनके चेहरे पर संतोष और आत्मविश्वास की चमक दिखाई देती है। उनका कहना है कि यह घर उनके लिए केवल एक आशियाना नहीं, बल्कि जीवन भर के संघर्ष का फ्ल है।

महिला सशक्तिकरण की सशक्त मिसाल-अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर बासन बाई यादव की कहानी महिला सशक्तिकरण की एक सशक्त मिसाल बनकर सामने आती है। उन्होंने कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए धैर्य और साहस के साथ अपने जीवन को आगे बढ़ाया। आज उनकी यह कहानी न केवल गांव की महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यह दर्शाती है कि यदि अवसर और सहयोग मिले, तो महिलाएं हर चुनौती का सामना कर अपने सपनों को साकार कर सकती हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों के जीवन स्तर को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से हजारों परिवारों को पक्का घर मिल रहा है और उनके जीवन में स्थिरता और सम्मान का नया अध्याय जुड़ रहा है। बासन बाई यादव की कहानी इस बात का प्रमाण है कि जब सरकारी योजनाएं सही पात्रों तक पहुंचती हैं, तो वे लोगों के जीवन में सकारात्मक और स्थायी बदलाव ला सकती हैं। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इस अवसर पर बासन बाई यादव जैसी संघर्षशील महिलाओं को नमन करते हुए यह कहना उचित होगा कि उनका साहस और आत्मविश्वास समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

एक राय होकर हत्या करने कि नियत से धारदार वस्तु से मारकर गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में 04 आरोपित गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्रार्थी चंदन सिंह जांगडे पिता हीरा सिंह उम्र 48 वर्ष निवासी मनोधरपुर चौकी मारो थाना नांदघाट ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 05 मार्च 2026 को तेजप्रकाश उर्फ राज महिलांगे, खुमेन्द्र महिलांगे उर्फ कृष्णा महिलांगे, डाजील महिलांगे, जगदीश उर्फ जग्गी महिलांगे निवासी मनोधरपुर द्वारा एक राय होकर मेरा लड़का साहिल जांगडे एवं अजय भारती का हत्या करने कि नियत से धारदार वस्तु से गर्दन, हाथ, पेट में मारकर गंभीर चोट पहुंचाया है। कि रिपोर्ट पर पुलिस चौकी मारो, थाना नांदघाट में अपराध सदर धारा 109,3(5) क्क्रह पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के मार्गदर्शन में पुलिस चौकी प्रभारी मारो उप निरीक्षक द्वारिका प्रसाद देशलहरे को चौकी स्टाफ के साथ प्रकरण की विवेचना कार्यवाही में लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी तेजप्रकाश उर्फ राज महिलांगे, खुमेन्द्र महिलांगे उर्फ कृष्णा महिलांगे, डाजील महिलांगे, जगदीश उर्फ जग्गी महिलांगे निवासी मनोधरपुर पुलिस चौकी मारो को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपना अपराध करना स्वीकार किया गया। आरोपी 01. तेज प्रकाश ऊर्फ राज महिलांगे पिता दुलेश कुमार महिलांगे उम्र 25 वर्ष, 02. खुमेन्द्र ऊर्फ कृष्णा महिलांगे पिता दुलेश कुमार महिलांगे उम्र 21 वर्ष, 03. डाजील महिलांगे पिता दूजराम महिलांगे उम्र 18 वर्ष, 04. जगदीश महिलांगे ऊर्फ जग्गी पिता दूजराम महिलांगे उम्र 20 वर्ष, निवासी मनोधरपुर, चौकी मारो थाना नांदघाट जिला बेमेतरा को दिनांक 06.03.2026 को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया।

इस संपूर्ण कार्यवाही में पुलिस चौकी प्रभारी मारो उप निरीक्षक द्वारिका प्रसाद देशलहरे, प्रधान आरक्षक शत्रुहन बंजारे, आरक्षक चेतन वैष्णव, बालमुकुंद सिंह, आसिफ खान, संजूनाथ योगी सहित चौकी मारो के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

जिला मुख्यालय सारंगढ़ को विकसित करने कई स्थलों का कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने पूरी टीम के साथ किया मुआयना

इंडोर स्टेडियम, रेंजरपारा पुल और प्रस्तावित सर्किट हाउस स्थल के आसपास क्षेत्र का सफाई, सौंदर्यीकरण और अवैध कब्जा हटाने के निर्देश

मुक्तिधाम, सब्जी मार्केट और मुड़ा तालाब किनारे से अतिक्रमण हटाने और सफाई व्यवस्था सुधारने के निर्देश

पीएचई विभाग को श्मशान घाट में बोर खनन कराने के निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिला मुख्यालय सारंगढ़ शहर को विकसित करने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने पूरी टीम के साथ शहर के कई स्थलों का शुक्रवार को निरीक्षण कर विकास कार्यों, सफाई व्यवस्था और अतिक्रमण की स्थिति का जायजा लिया साथ ही पुलिस और राजस्व विभाग को नगरपालिका के साथ समन्वय कर कार्यवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सारंगढ़ क्षेत्र के गधाभाठा रोड स्थित इंडोर स्टेडियम के पास बने कचरा डंपिंग स्थल का निरीक्षण किया, जहां साफ सफाई का कार्य चल रहा है। उन्होंने नगरपालिका सीएमओ को निर्देश दिए कि स्थल पर मिट्टी डालकर रोलर चलाया जाए तथा आसपास की झाड़ियों की भी सफाई कराई जाए। उन्होंने एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) के लिए टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने की जानकारी लेते हुए जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जेलपारा और रेंजर पारा पुल के पास (पुराना नाम नाका नंबर 5) चल रहे रंग-रोगन कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने पीडब्ल्यूडी द्वारा प्रस्तावित सर्किट हाउस के लिए स्थल का भी निरीक्षण किया। यह सर्किट हाउस करीब ढाई एकड़ भूमि में बनाया जाएगा, जिसके कार्य को जल्द प्रारंभ कर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसी दौरान लोहारिन डबरी तालाब की बाउंड्रीवाल का कार्य जल्द पूरा कराने के लिए नगरपालिका को निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने सारंगढ़ के मुक्तिधाम का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मुक्तिधाम के सामने बनी झोपड़ियों को हटाने और आदर्श मुक्तिधाम के पास लगे अवैध ठेलों को हटाने के निर्देश दिए। साथ ही मुक्तिधाम परिसर में बाउंड्रीवाल निर्माण कराने तथा पीएचई विभाग को श्मशान घाट में बोर खनन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मुक्तिधाम परिसर में फैली गंदगी को तत्काल साफ कराने को भी कहा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सब्जी मार्केट का भी जायजा लिया और वहां दुकानों के शेड में हुए बेजा कब्जे को हटाने तथा पूरे बाजार क्षेत्र में साफ-सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा कमला नगर मुड़ापार वार्ड क्रमांक 11 स्थित तालाब किनारे हुए अवैध कब्जों को हटाने के निर्देश भी नगरपालिका को दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि शहर की साफ-सफाई, रंगरोगन सजावट और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और निर्धारित समय में कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए।

जिले की सभी ग्राम पंचायतों में मनाया गया आवास दिवस एवं रोजगार दिवस

प्रधानमंत्री आवास योजना और मनरेगा के क्रियान्वयन पर हुई चर्चा, हितग्राहियों को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला बेमेतरा में प्रत्येक माह की तरह इस माह भी 7 तारीख को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में आवास दिवस एवं रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बेमेतरा के निर्देशानुसार आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और पंचायत स्तरीय अधिकारियों की सहभागिता रही।इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मनरेगा से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर हितग्राहियों को आवश्यक जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) पर दी गई जानकारी-आवास दिवस के अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों और हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इसमें हितग्राहियों के चयन की प्रक्रिया, आवास की स्वीकृति, किस्तों के अंतरण तथा निर्माण कार्य की प्रगति से जुड़ी जानकारी विस्तार से साझा की गई। इसके साथ ही जिन हितग्राहियों के आवास अभी तक अधूरे हैं, उन्हें शीघ्र आवास निर्माण पूर्ण करने के लिए प्रेरित और समझाइश दी गई। वहीं जिन हितग्राहियों द्वारा अब तक आवास निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, उन्हें एक सप्ताह के भीतर निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए गए। अन्यथा निर्धारित समय सीमा के बाद संबंधित हितग्राहियों से स्वीकृत राशि की वसूली की कार्रवाई किए जाने की चेतावनी भी दी गई।

मनरेगा से जुड़े कार्यों और भुगतान पर चर्चा-कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत चल रहे कार्यों की जानकारी भी ग्रामीणों को दी गई। उपस्थित श्रमिकों और हितग्राहियों की मजदूरी भुगतान से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया गया तथा उन्हें योजना से मिलने वाले लाभों के बारे में अवगत कराया गया। इसके साथ ही ड्रक्क तन्नरन से संबंधित विषयों पर भी विस्तार से जानकारी दी गई और ग्रामीणों को योजना के माध्यम से अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

जल संरक्षण के लिए जनसहभागिता पर दिया गया जोर-बैठक के दौरान जिले में संभावित जल संकट को देखते हुए ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि भूजल स्तर को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए प्रत्येक परिवार को अपने घरों में सोखता गड्ढा (सोक पिट) या वर्षा जल संचयन संरचना का निर्माण करना चाहिए। इस संबंध में ग्रामीणों से अपील की गई कि वे जनसहभागिता के माध्यम से जल संरक्षण के कार्यों को बढ़ावा दें, ताकि आने वाले समय में जल संकट की समस्या को कम किया जा सके।

योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन की दिशा में पहल-आवास दिवस एवं रोजगार दिवस के आयोजन से ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त हुई और उन्हें अपनी समस्याओं को सीधे अधिकारियों के सामने रखने का अवसर भी मिला। जिला प्रशासन का उद्देश्य है कि इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचे और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को और अधिक गति मिल सके।

सेवा सहकारी समिति बेमेतरा में मनाया गया होली मिलन समारोह

बेमेतरा/मूक पत्रिका

सेवा सहकारी समिति मर्यादित बेमेतरा प क्र 118 में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमे समिति क्षेत्र के कृषक सदस्यों को गुलाल लगाकर एवं गमछा पहनाकर सम्मानित किया गया धान विक्रय करने वाले कृषकों ने शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना में आदान सहायता राशि मिलने पर हर्ष व्यक्त किये और एक दूसरे को गुलाल लगाकर मुँह मीठा कराकर खुशी के साथ होली मिलन कार्यक्रम किये समाहरो में सभी कृषक सदस्यों किसानों के चेहरों पर खुशी नजर आई सेवा सहकारी समिति के अध्यक्ष दोहाई वर्मा व समिति प्रबंधक विनोद राजपूत के नेतृत्व में कृषि उपज मंडी कार्यालय में अन्नदाता किसानों के साथ भारी खुशी उत्साह के साथ होली मिलन कार्यक्रम में सामिल होने वाले में प्रमुख रूप से किसान मोर्चा के प्रदेश सह कोषाध्यक्ष मोंटी साहू,किसान मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नीलू ठाकुर,विकास तम्बोली पार्षद वार्ड 11 व सभापति नगर पालिका परिषद बेमेतरा, पूर्व पार्षद वार्ड 9 साधेलाल बघेल,देवराम साहू पूर्व पार्षद दयाराम साहू शेखर वर्मा भानू साहु फेरु वर्मा दीनाराम साहू यादव राम साहू लच्छन वर्मा राजेन्द्र साहू राजीव तम्बोली बलराम देवांगन नंदलाल वर्मा सहींत क्षेत्र के प्रबुद्ध किसान अधिकारी कर्मचारी गणमान्य नागरिक ग्रामवासी नगरवासी उपस्थित हुए।

सफलता कि कहानीः सपनों का घर हुआ साकारः

प्रधानमंत्री आवास योजना से ग्राम अतरगंवा की उत्तरा बाई के जीवन में आया बड़ा बदलाव

बेमेतरा/मूक पत्रिका

केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक रूप से कमजोर और बेघर परिवारों को सुरक्षित एवं पक्का आवास उपलब्ध कराना है। इस योजना के माध्यम से हजारों परिवारों के सपने साकार हो रहे हैं। ऐसा ही एक प्रेरणादायक उदाहरण जनपद पंचायत नवागढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत अतरगंवा की रहने वाली उत्तरा बाई की कहानी है, जिनके जीवन में इस योजना ने एक नया उजाला भर दिया है। आज से कुछ वर्ष पहले तक उत्तरा बाई का परिवार एक जर्जर और कच्चे मकान में रहने को मजबूर था। गरीबी और सीमित आय के कारण उनके लिए पक्का घर बनाना केवल एक सपना बनकर रह गया था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की मदद से यह सपना अब हकीकत में बदल गया है।

संघर्ष और कठिनाइयों से भरा जीवन-जनपद पंचायत नवागढ़ से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत अतरगंवा की निवासी उत्तरा बाई (उम्र लगभग 55 वर्ष) एक गरीब मजदूर परिवार से संबंध रखती हैं। परिवार की आय का मुख्य स्रोत मजदूरी ही था। सीमित आय में परिवार का गुजारा करना ही मुश्किल था, ऐसे में पक्का घर बनाना उनके लिए असंभव सा लगता था। उत्तरा बाई और उनका परिवार एक टूटे-फूटे कच्चे मकान में रहते थे। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकता था और घर की दीवारें भीग जाती थीं। कई बार घर के अंदर जगह-जगह पानी भर जाता था, जिससे रातभर ठीक से सो पाना भी मुश्किल हो जाता था। इसके अलावा घर के आसपास की स्थिति भी सुरक्षित नहीं थी। बारिश के मौसम में सांप-बिच्छू जैसे जहरीले जीव घर के अंदर घुस आते थे, जिससे परिवार के सदस्यों को हमेशा डर और चिंता बनी रहती थी। इन कठिन परिस्थितियों में जीवन बिताते हुए उत्तरा बाई अक्सर सोचती थीं कि काश उनका भी एक पक्का और सुरक्षित घर होता।

पक्के घर का सपना और उम्मीद-उत्तरा बाई बताती हैं कि उन्होंने हमेशा अपने परिवार के लिए एक सुरक्षित घर का सपना देखा था। उनका मानना था कि अगर परिवार के पास मजबूत और पक्का घर हो तो जीवन की कई परेशानियां अपने आप कम हो जाती हैं। लेकिन आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण यह सपना साकार होना संभव नहीं लग रहा था। मजदूरी से होने वाली कमाई से केवल रोजमर्रा की जरूरतें ही पूरी हो पाती थीं। इसी बीच उन्हें ग्राम पंचायत के माध्यम से प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की जानकारी मिली। ग्राम सभा में पात्र हितग्राहियों की सूची तैयार की गई और वर्ष 2024-25 में उत्तरा बाई का नाम भी इस योजना में स्वीकृत हो गया।

योजना के सहयोग से बना नया घर-प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्वीकृति मिलने के बाद उत्तरा बाई के घर के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई। ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों, सचिव, आवास मित्र तथा रोजगार सहायक के मार्गदर्शन में निर्माण कार्य आगे बढ़ा।प्रशासन और पंचायत के सहयोग से निर्धारित समय में घर का निर्माण कार्य पूरा किया गया। 28 मई 2025 को उत्तरा बाई का पक्का मकान बनकर तैयार हो गया।यह घर केवल ईट और सीमेंट से बना एक भवन नहीं है, बल्कि यह उनके संघर्ष, धैर्य और उम्मीदों की जीत का प्रतीक बन गया है।

प्रेरणा बन रही है उत्तरा बाई की कहानी-उत्तरा बाई की कहानी इस बात का उदाहरण है कि जब सरकारी योजनाएं सही पात्र तक पहुंचती हैं, तो वे लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव ला सकती हैं। आज उनका पक्का घर न केवल उनके परिवार के लिए सुरक्षा और खुशी का प्रतीक है, बल्कि गांव के अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा बन गया है। यह कहानी बताती है कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद उम्मीद और प्रयास से सपनों को साकार किया जा सकता है।

अब बदली जिंदगी, मिला सुरक्षा और सम्मान-आज उत्तरा बाई अपने परिवार के साथ नए पक्के मकान में खुशहाल जीवन व्यतीत कर रही हैं। अब उन्हें बारिश के दिनों में घर टपकने की चिंता नहीं रहती और न ही रातभर जागकर पहरा देने की मजबूरी है। नए घर ने उन्हें सुरक्षा, सुविधा और सम्मानजनक जीवन दिया है। परिवार के सदस्य अब आराम से रह पाते हैं और बच्चों को भी सुरक्षित वातावरण मिला है।उत्तरा बाई कहती हैं कि पहले हर बारिश उनके लिए चिंता लेकर आती थी, लेकिन अब पक्के घर में रहने से उन्हें सुकून और आत्मविश्वास मिला है।

शासन-प्रशासन के प्रति आभार-उत्तरा बाई ने प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पक्का घर मिलने पर शासन और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। उनका कहना है कि अगर यह योजना नहीं होती तो शायद उनका पक्के घर का सपना कभी पूरा नहीं हो पाता। उन्होंने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और स्थानीय प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि इस योजना ने गरीब परिवारों के जीवन में नई उम्मीद जगाई है।

ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही योजना-प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब परिवारों को सुरक्षित और स्थायी आवास उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

इस योजना से न केवल लोगों को पक्का घर मिल रहा है, बल्कि उनके जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आ रहा है।जिला प्रशासन द्वारा भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कि पात्र सभी हितग्राहियों को योजना का लाभ मिले और कोई भी गरीब परिवार कच्चे या जर्जर घर में रहने को मजबूर न रहे।

बोरो-संगरा के जंगलों में 'काला खेल': मशीनें जब्त, मगर असली माफिया अब भी बाहर

धरमजयगढ़ (रायगढ़)/मूक पत्रिका

कहने को धरमजयगढ़ क्षेत्र अपनी प्राकृतिक संपदा और घने जंगलों के लिए जाना जाता है, लेकिन इन दिनों यहां के बोरो और संगरा इलाके अवैध कोयला कारोबार की कालिख से सने नजर आ रहे हैं। जंगलों के भीतर बेखौफ माफिया भारी मशीनों से कोयला निकाल रहे हैं, जबकि जिम्मेदार विभाग कार्रवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति करते दिखाई दे रहे हैं।

हाल ही में संगरा के जंगलों में चैन माउंटेन पीसी मशीन लगाकर खुलेआम कोयला उत्खनन किया जा रहा था। जब इसकी चर्चा गांव से लेकर चौक-चौराहों तक पहुंची तो पुलिस और खनिज विभाग हरकत में तो आए, लेकिन कार्रवाई कागजों तक ही सीमित नजर आई। पुलिस ने मामले को खनिज विभाग के हवाले कर पल्ला झाड़ लिया, वहीं खनिज विभाग ने फाइल को कई दिनों तक राजस्व और

वन विभाग के बीच घुमाया। अंततः मशीन तो जब्त कर ली गई, लेकिन इस अवैध कारोबार के असली संचालक अब भी पकड़ से दूर हैं।खनिज विभाग ने बोरो क्षेत्र से करीब 54 टन कोयला जब्त कर अपनी कार्रवाई पूरी होने का दावा जरूर किया है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है। सूत्रों की मानें तो यह कार्रवाई महज एक ट्रेलर है। बोरो, संगरा, तेजपुर और लालमाटी जैसे इलाकों में आज भी सैकड़ों टन अवैध कोयला डंप पड़ा हुआ है, जिसे माफिया धीरे-धीरे ठिकाने लगाने में जुटे हैं।कार्रवाई के डर से कुछ समय के लिए शांत हुए तस्कर अब रात के अंधेरे में फिर सक्रिय हो गए हैं। बाहरी इलाकों से बुलाए गए ट्रैक्टरों के माध्यम से अवैध कोयला ईंट भट्ठों तक पहुंचाया जा रहा है। 3 मार्च को पुलिस द्वारा पकड़ी गई कोयला लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली इसी अवैध नेटवर्क का प्रमाण मानी जा रही है।हालांकि इस मामले में पुलिस ने ट्रैक्टर चालक सज्जाद मोहम्मद उर्फ जादू को पकड़कर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 170/126/135(3) के तहत केवल प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर मामले को शांत करने की कोशिश की है। सवाल यह उठ रहा है कि जब कोयला तस्करी का इतना बड़ा नेटवर्क चल रहा है तो उसके असली सरगना और खरीददार आखिर कानून की पकड़ से दूर क्यों हैं।सबसे बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर किसके संरक्षण में जंगलों के भीतर भारी मशीनें चल रही हैं। क्या संबंधित विभागों को बाकी इलाकों में पड़े सैकड़ों टन अवैध कोयले की जानकारी नहीं है, या फिर जानबूझकर आंखें मूंद ली गई हैं।

ट्रैक्टर चालक तो जेल पहुंच गया, लेकिन उस कोयले का असली मालिक और उसे खरीदने वाले ईंट भट्ठा संचालक अब भी बेखौफ हैं। स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि धरमजयगढ़ में चल रहा यह खेल सिर्फ कोयले की चोरी नहीं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।यदि समय रहते बोरो, संगरा, तेजपुर और लालमाटी जैसे संवेदनशील इलाकों में सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो यह साफ हो जाएगा कि इस पूरे खेल में माफिया और तंत्र के बीच गहरी सांठगांठ है।

थाना प्रभारी के बिगड़े बोल

मामले में जानकारी लेने के लिए थाना प्रभारी सीताराम से संपर्क किया गया तो वे भड़क उठे। उन्होंने इसे हफ्ते भर पुराना मामला बताते हुए थाना स्टाफ भगत से जानकारी लेने को कहा। वहीं भगत ने भी आवाज ऊंची होने की बात कहकर मामले में ज्यादा जानकारी देने से परहेज किया।

नवलपुर मोड़ पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भव्य स्वागत, युवाओं में दिखा उत्साह

बेमेतरा/नवागढ़/मूक पत्रिका

नवागढ़ (मुंगेली) दौरे के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का नवलपुर मोड़ पर युवाओं द्वारा भव्य और जोशीले अंदाज में स्वागत किया गया। इस अवसर पर युवा नेता हर्ष बघेल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवाओं ने पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया और उनके दौरे को लेकर उत्साहपूर्ण माहौल बनाया।

स्वागत कार्यक्रम में युवाओं ने फूल-मालाओं और नारों के साथ उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान क्षेत्र के कई युवा साथी मौजूद रहे, जिनमें सुमांशु ऋषि हिरवानी, विक्रांत बघेल, हसन टंडन, कांशीराम नेताम, अनिल घृतलहरे, धनुष बघेल, राजा नेताम, खेलावन नेताम, ईश्वर साहू, पतंगू नेताम, अजय बजाज, राहुल घृतलहरे, देवा तरुण गर्ग, लहरिया दिवाकर, संतोष मंडावी, राहुल कोशले, मुकेश दिवाकर, ऊना पाटले, योगेश एवं भूपेंद्र कुर्रे प्रमुख रूप से शामिल थे। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री का यह दौरा युवाओं के लिए प्रेरणादायक है और इससे क्षेत्र के युवाओं में नई ऊर्जा व जोश का संचार हुआ है। युवाओं ने पूरे उत्साह के साथ स्वागत समारोह में भाग लेते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

सुरेन्द्र सिंह डोबर सहायता समिति जयपुर की पहल: जरूरतमंद विधवा महिलाओं को आर्थिक संबल देने के लिए पेंशन

जयपुर/मूक पत्रिका

सुरेन्द्र सिंह डोबर सहायता समिति, जयपुर ने बड़वा (राव) समाज की विधवा एवं असहाय महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के उद्देश्य से प्रति माह एक हजार रुपए की पेंशन देने का बीड़ा उठाया है। समिति इस योजना की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस से करने जा रही है। सामाजिक कार्यकर्ता रणजीत सिंह केशावत ने बताया कि समिति के सूत्रधार भामाशाह सुरेन्द्र सिंह डोबर ने जयपुर में राजस्थान और मध्यप्रदेश के सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ताओं से चर्चा के बाद यह योजना शुरू करने का निर्णय लिया। यह पेंशन योजना उन महिलाओं के लिए है जो कम उम्र में विधवा हो गई हैं, जिनके परिवार में कमाने वाला कोई नहीं है और जिन पर 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया के तहत नियुक्त कार्यकर्ता द्वारा आवेदन फॉर्म भरवाया जाएगा तथा आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां संलग्न की जाएंगी। स्थानीय दो गवाहों के हस्ताक्षर के बाद समिति द्वारा आवेदन का सत्यापन किया जाएगा। योजना के तहत प्रतिमाह एक हजार रुपए के हिसाब से छह माह के 6000 रुपए एकमुश्त, वर्ष में दो बार, कुल 12 हजार रुपए वार्षिक पेंशन के रूप में सीधे लाभार्थी महिला के बैंक खाते में स्थानांतरित किए जाएंगे। वार्षिक पेंशन योजना के पहले चरण में राजस्थान की 100 तथा मध्यप्रदेश की 20 जरूरतमंद महिलाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है। योजना के संचालन के लिए क्षेत्रवार 25 सामाजिक कार्यकर्ताओं का चयन कर उन्हें आवेदन पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। केकड़ी क्षेत्र के लिए रणजीत सिंह केशावत, मेवाड़ क्षेत्र के लिए उदयसिंह रायपुरिया तथा ढूंढाड़ क्षेत्र के लिए परीक्षित सिंह आसलपुर को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस पहल की समाज अध्यक्ष प्रताप सिंह राव कुचामन ने सराहना करते हुए समिति का आभार व्यक्त किया।

किस्त मिली लेकिन सामग्री नहीं, ग्रामीण पूछ रहे-वैधानिक बालू आखिर मिलेगा कहाँ?

प्रधानमंत्री आवास योजना पर बालू संकट की मार

बरमकेला/मूक पत्रिका

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीणों को घर बनाने के लिए सरकार ने किस्त तो जारी कर दी है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बिना बालू के मकान निर्माण कार्य पूरी तरह ठप पड़ गया है। बरमकेला क्षेत्र के ओड़िशा सीमा से लगे सुदूर वनांचल के ग्राम पंचायत झाल, हट्टापाली, जीरापाली, करनपाली, जोगनीपाली और कोकबाहल के हितग्राही पिछले करीब 20 दिनों से मकान निर्माण शुरू नहीं कर पा रहे हैं। वजह साफ है-क्षेत्र में बालू की उपलब्धता ही नहीं है। स्थिति इतनी विचित्र हो चुकी है कि बालू वही ला पा रहा है जिसके पास खुद का ट्रैक्टर है और जो रात के अंधेरे में चोरी-छिपे खनन क्षेत्र तक पहुंचने का जोखिम उठा सके। बताया जा रहा है कि दिन के समय प्रशासन द्वारा ड्रोन कैमरे से सख्त निगरानी की जा रही है, जिसके कारण बालू लाने का वैधानिक रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है। नतीजा यह कि प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही किस्त मिलने के बावजूद अपने ही घर के निर्माण के लिए भटकने को मजबूर हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जब प्रशासन ने खनन पर सख्ती कर दी है तो यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर वैध रूप से बालू कहां से और कैसे मिलेगी। खनन का ठेका अब तक किसी को नहीं दिया गया है, वहीं महानदी क्षेत्र से बालू लाने वालों पर पुलिस कार्रवाई कर ट्रैक्टर जब्त कर रही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि सरकार की महत्वाकांक्षी आवास योजना आखिर जमीन पर कैसे पूरी होगी।ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासनिक असमंजस और अव्यवस्था के कारण योजना का लाभ लेने वाले लोग ही सबसे ज्यादा परेशान हो रहे हैं। मकान निर्माण की समय-सीमा निकलती जा रही है और लाभार्थी बालू के अभाव में असहाय बने हुए हैं।

÷सरकार ने आवास तो दिया है लेकिन बालू के अभाव में घर कैसे बनाये? यही निवेदन है कि बालू को घर तक पहुंचने दिया जाये।÷

— आकाश सिदार

÷दो महीने से घर को उजाड़ रहा हूँ, उजड़ने के बाद जब काम शुरू करने का समय आया है तो बालू नहीं मिल पा रहा। समय पर बालू मिलता तो अब तक मेरा घर बन गया होता।÷

— दुबले साहू, झाल पंचायत

÷छड़ (सरिया) का रेट 5800 क्विंटल, गिट्टी का रेट 5000 प्रति ट्रैक्टर तथा बालू 2700 रुपये प्रति ट्रैक्टर है। सरकार के द्वारा दिए गए 1 लाख 20 हजार रुपये 1 किचन और 1 रूम के लिए अपर्याप्त है। और पैसे कहाँ से लाऊ इसका है। अब घर क्या मिट्टी से बनाऊंगा? पास करेंगे क्या कच्चे मकान को?÷

— उत्तम सिदार

÷जिनके पास पहले से बालू है वो घर बना रहे हैं। ओड़िसा से बालू के लिए कॉन्टैक्ट कर रहे हैं लेकिन कई कारणों से वहाँ से भी बालू नहीं मिल पा रहा है।÷

— भरत पटेल, झाल पंचायत

÷महानदी से बालू आता था, वहाँ के खनन करने वालों को पुलिस पकड़ रही है और उनके ट्रैक्टर जब्त कर रही है, जिससे हमें बालू नहीं मिल पा रहा है। हमें प्रशासन ये बताये कि वैध तरीके से बालू कहाँ मिलेगा? हमने पूछताछ किया तो पता चला कि अबतक किसी को खनन के लिए ठेका नहीं मिला है।÷

— सम्राट पटेल, झाल पंचायत

टेंशन ऊपर से बालू बैन लगा दिया गया

प्रधानमंत्री आवास योजना की लॉटरी में 7 हितग्राहियों को मिला आवास

भिलाईनगर/मूक पत्रिका

नगर पालिक निगम भिलाई में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास आवंटन के लिए लॉटरी का आयोजन निगम सभागार में किया गया। इस लॉटरी में मोर मकान-मोर आस एवं मोर मकान-मोर चिन्हारी योजना के तहत निर्मित आवासों को शामिल किया गया। खुली एवं पारदर्शी लॉटरी प्रणाली के माध्यम से कुल 07 हितग्राहियों को आवास आबंटित किया गया। लॉटरी प्रक्रिया के दौरान निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय, सभापति गिरवर बंटी साहू, पार्षद महेश वर्मा, सांसद प्रतिनिधि प्रमोद सिंह, नोडल अधिकारी सह अधीक्षण अभियंता अजीत तिग्गा, जोन आयुक्त कुलदीप गुप्ता, सहायक अभियंता नितेश मेश्राम तथा उप अभियंता दीपक देवांगन उपस्थित रहे। लॉटरी के माध्यम से अरुण तिवारी, घमोतिन बाई, ओमेन्द्र कोल्हाकर, वंदना शिवरामवार, पैयरी बाई, सीता बाई एवं मोहम्मद खालिक को आवास आबंटित किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराना है। लॉटरी प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न की गई। आवास प्राप्त करने वाले हितग्राहियों ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए शासन और निगम प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

राज्य स्तरीय सीनियर हॉकी स्पर्धा में रायगढ़ को मिला तीसरा स्थान, युवा खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का किया प्रदर्शन

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में आयोजित राज्य स्तरीय सीनियर हॉकी प्रतियोगिता में रायगढ़ जिले के युवा खिलाड़ियों ने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया है। मिली जानकारी के अनुसार चंद्रोदय कप जो की छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में आयोजित एक राज्य स्तरीय सीनियर हॉकी 7वीं प्रतियोगिता है। यह टूर्नामेंट 28 फरवरी से 2 मार्च तक मिनी स्टेडियम, कॉलेज रोड, महासमुंद में आयोजित किया गया था। इसमें राज्य की प्रमुख हॉकी टीमों ने हिस्सा लिया था। इस मुकाबले में पहले प्राइस बिलासपुर अकैडमी और दूसरे स्थान जांजगीर और तीसरा स्थान रायगढ़ की टीम रही। रायगढ़ जिले के युवा खिलाड़ियों ने अपने बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए राजनांदगांव की टीम को 5-2 से करारी शिकस्त देते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता में रायगढ़ की टीम के कप्तान रविन्द्र यादव ने 1 गोल मारा, जबकि लालजीत मिंज 2 गोल, मदन भगत 1 गोल के अलावा नरेश लकड़ा ने भी 1 गोल मारते हुए जीत हासिल करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। रायगढ़ की टीम में बेस्ट डिफेंडर के रूप में शोभित कुजूर, मनोज कुजूर, विकास केरकेट्टा, दिव्यप्रकाश मिंज, मनोज कुजूर के अलावा गोलकीपर के रूप में अजय कुजूर रहे। इस टीम के कोच अभिषेक मिंज के अलावा मैनेजर के रूप में अमुल चौहान थे।

घरघोड़ा जनपद में अधिकारी चुस्त , सचिव सुस्त .. सुस्त सचिव को दो पंचायतों का प्रभार सवालों के घेरे में

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

जनपद पंचायत के अंतर्गत कई ग्राम पंचायतों में सचिवों की लापरवाही से ग्रामीणों के कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। आरोप है कि अधिकांश पंचायतों में सचिव अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं, बावजूद इसके कई सचिवों को एक साथ दो-दो पंचायतों की जिम्मेदारी सौंप दी गई है, जिससे व्यवस्थाएं और अधिक प्रभावित हो रही हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि पंचायतों में सूचना के अधिकार (ऋछढ्ढ) को भी गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। आवेदन देने और निर्धारित शुल्क जमा करने के बाद भी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। इतना ही नहीं, प्रथम अपीलीय अधिकारी द्वारा जानकारी देने के आदेश के बाद भी संबंधित सचिव द्वारा जानकारी नहीं दी जा रही है। ऐसा ही मामला ग्राम पंचायत पोरडा और बरौद का सामने आया है, जहां सचिव शांति पैंकरा को दोनों पंचायतों का प्रभार दिया गया है। आरोप है कि आरटीआई आवेदन के बाद सचिव द्वारा जानकारी देने के लिए भुगतान की मांग की गई थी। आवेदक ने नियमानुसार भुगतान भी किया, लेकिन इसके बावजूद जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।

जानकारी नहीं मिलने पर आवेदक ने प्रथम अपील प्रस्तुत की। अपीलीय अधिकारी द्वारा जानकारी उपलब्ध कराने के आदेश जारी होने के बाद भी सचिव द्वारा आदेश का पालन नहीं किया गया। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि पंचायतों में कहीं न कहीं बड़े स्तर पर अनियमितताएं या भ्रष्टाचार छिपा हो सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब अपीलीय अधिकारी और जनपद पंचायत के सीईओ के आदेशों का भी पालन नहीं हो रहा है, तो इससे प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं शांति पैंकरा को बरौद के सचिव पद में रहते हुए पोरडा अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। एक ही सचिव को दो-दो पंचायतों का प्रभार दिए जाने को लेकर भी चर्चा तेज है। ग्रामीणों का मानना है कि इसके पीछे या तो बड़ा भ्रष्टाचार है या फिर किसी प्रकार का राजनीतिक हस्तक्षेप। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि पंचायत स्तर पर पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

मनरेगा के माध्यम से रोजगार और आय के नए अवसर

विश्व महिला दिवस विशेष: आजीविका गतिविधियों से आत्मनिर्भर बन रही हैं जिले की महिलाएं

बेमेतरा/मूक पत्रिका

विश्व महिला दिवस के अवसर पर जिले में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न आजीविका आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को स्थायी आय के अवसर उपलब्ध कराने के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत फार्म पॉण्ड (आजीविका तालाब), मत्स्य पालन तथा कृषि आधारित अन्य गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिले में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के परिणामस्वरूप वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा के अंतर्गत महिलाओं द्वारा 15,42,107 मानव दिवस का रोजगार प्राप्त किया गया है, जो कि जिले में सृजित कुल मानव दिवस का लगभग 52.27 प्रतिशत है। यह आंकड़ा ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती सहभागिता और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक संकेत देता है।

रोजगार दिवस पर महिला श्रमिकों का सम्मान-विश्व महिला दिवस के अवसर पर जिले की सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान महिला श्रमिकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उनका श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रमिकों को क्यूआर कोड आधारित उपस्थिति प्रणाली, मनरेगा श्रम भुगतान व्यवस्था, वीबी ग्रामजी सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई, ताकि श्रमिकों को योजना से जुड़ी सुविधाओं और प्रक्रियाओं के बारे में बेहतर समझ मिल सके।

सफलता की कहानी : आजीविका डबरी से बढ़ी आय-मनरेगा के अंतर्गत जिले में कई महिलाएं आजीविका गतिविधियों के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बन रही हैं। इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण जनपद पंचायत नवागढ़ के ग्राम पंचायत अंधियारखोर की भानमती (पति ङ्क आशाराम) हैं। भानमती द्वारा मनरेगा के अंतर्गत आजीविका डबरी (फार्म पॉण्ड) का निर्माण कराया गया। इस डबरी में वे मत्स्य पालन का कार्य कर रही हैं, जिससे उन्हें प्रतिवर्ष 50 हजार रुपये से अधिक की आय प्राप्त हो रही है। इसके अलावा डबरी के आसपास की भूमि में वे सब्जी उत्पादन भी कर रही हैं, जिससे उनके परिवार की आय में और वृद्धि हुई है। इस गतिविधि से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है, बल्कि परिवार के जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव आया है।

आजीविका गतिविधियों से मिल रहे रोजगार के अवसर-फार्म पॉण्ड, मत्स्य पालन और कृषि आधारित अन्य गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। कई महिला स्व-सहायता समूह भी इन गतिविधियों से जुड़कर मत्स्य पालन, सब्जी उत्पादन और अन्य आजीविका कार्यों के माध्यम से अपनी आय में वृद्धि कर रहे हैं। इन पहलों के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं अब स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ रही हैं और आर्थिक रूप से अधिक सक्षम बन रही हैं।

महिलाओं को दिया जा रहा प्रशिक्षण और मार्गदर्शन-जिला पंचायत के अनुसार शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। फार्म पॉण्ड और मत्स्य पालन जैसे कार्य जल संरक्षण के साथ-साथ महिलाओं की आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। महिलाओं को इन गतिविधियों से जोड़ने के लिए उन्हें प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन तथा आवश्यक सहयोग भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे वे इन कार्यों को सफलतापूर्वक संचालित कर सकें।

महिला दिवस अवसर पर जल संरक्षण महाअभियान के रूप में मनाया जायेगा-विश्व महिला दिवस के अवसर पर जिला बेमेतरा में जल संरक्षण महाअभियान चलाने का भी निर्णय लिया गया है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत प्रत्येक ग्रामीण महिला को अपने घर में रिचार्ज पिट अथवा सोखता गड्ढा बनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि वर्षा जल का संरक्षण हो सके और भूजल स्तर में सुधार लाया जा सके। महिलाओं की भागीदारी से ही संभव है समग्र विकास 7 विश्व महिला दिवस के अवसर पर यह संदेश दिया गया कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ही समाज का समग्र विकास संभव है। शासन की योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को अधिक से अधिक आजीविका गतिविधियों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जिले में महिलाओं की बढ़ती सहभागिता यह दर्शाती है कि अवसर और सहयोग मिलने पर महिलाएं न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति सुधार सकती हैं, बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

संपादकीय

युद्ध के बीच भारतीयों को वापस लाना चिंता का विषय

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद युद्ध का स्वरूप बिगड़ता जा रहा है और कहना मुश्किल है कि आने वाले दिनों में यह कौन-सी दिशा अख्तियार करेगा। खासतौर पर हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रिया सामने आ रही है, उसमें मध्य-पूर्व के देशों में भी स्थिति चिंताजनक हो रही है।इस बीच भारत के लिए एक बड़ी फिक्र यह खड़ी हुई है कि अलग-अलग उद्देश्य से मध्य-पूर्व के देशों में गए जो भारतीय फंस गए हैं, उन्हें वहां से सुरक्षित कैसे निकाला जाए।अमेरिका और इजरायल के साझा हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल को निशाना बनाने के साथ-साथ बहरीन, सऊदी अरब, कतर समेत कई देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर मिसाइल से हमले किए हैं। ऐसे में समझा जा सकता है कि वहां रहने वाले लोगों के सामने किस तरह की मुश्किलें खड़ी हो रही होंगी। स्वाभावकि ही भारत के सामने बड़ी चिंता उन इलाकों में फंसे भारतीयों को वापस लाने की है।दरअसल, समूचे पश्चिम एशिया का इलाका इस समय युद्ध क्षेत्र में तब्दील हो गया लग रहा है। स्वाभाविक ही वहां रह रहे तमाम आम लोगों के सामने खुद को सुरक्षित रखना एक बड़ी चुनौती है। दूसरी ओर, जो लोग दूसरे देशों से वहां गए हैं, वे किसी तरह वहां से निकलने की उम्मीद में हैं। ऐसे में भारत सरकार ने युद्ध प्रभावित देशों से भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए कोशिश शुरू की है, लेकिन ठोस नतीजे के लिए समय रहते कदम उठाना जरूरी है।सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात की समीक्षा की और सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे घटनाक्रम से प्रभावित भारतीयों की सहायता के लिए जरूरी और व्यावहारिक कदम उठाएं।सरकार की ओर से आश्वस्त किया गया है कि युद्ध के असर से जूझ रहे देशों में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संबंधित भारतीय दूतावासों से बातचीत की गई है। भारत ने शांति और सुरक्षा के साथ-साथ विवादों के समाधान के लिए संवाद तथा कूटनीति का समर्थन किया है, लेकिन फिलहाल ज्यादा जरूरत इस बात की है कि युद्धग्रस्त इलाकों में फंसे लोगों की सुरक्षित वापसी की प्रक्रिया शुरू की जाए।गौरतलब है कि ईरान में करीब दस हजार भारतीय नागरिक रहते हैं, जो पढ़ाई और काम करते हैं। वहीं इजरायल में चालीस हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं। इसके अलावा, खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में लगभग नब्बे लाख भारतीय रहते हैं।इन देशों में सैन्य तनाव बढ़ने और युद्ध का दायरा फैलने की वजह से उड़ान सेवाएं व्यापक पैमाने पर बाधित हुई हैं और बहुत सारे वैसे भारतीय उन जगहों के हवाईअड्डों पर फंसे हुए हैं, जो किसी तरह वतन लौटना चाहते हैं।

यह मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं है; यह उस निरंतर मानसिक और सामाजिक दबाव से बाहर निकलने का प्रयास है जिसमें हर व्यक्ति को हर विषय पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी होती है। आज का युवा, जो दिन भर संदेशों, सूचनाओं, टिप्पणियों और दृश्य सामग्री के प्रवाह में डूबा रहता है, पहली बार यह अनुभव कर रहा है कि उसकी सबसे बड़ी थकान श्रम से नहीं, बल्कि निरंतर अभिव्यक्ति की बाध्यता से उत्पन्न होती है। यही कारण है कि ध्यान-शिविरों, साइलेंट-रिट्रीट, डिजिटल डीटॉक्स और एकांत यात्राओं की ओर उसका आकर्षण बढ़ रहा है। यह पलायन नहीं अपितु प्रतिरोध है।

मौन का पुनर्जन्म- शोर के युग में चुप रहने का आध्यात्मिक प्रतिरोध

(अनन्या मिश्रा)

डिजिटल दबाव और निरंतर अभिव्यक्ति से थकान बढ़ी है। युवा ध्यान, साइलेंट रिट्रीट और मौन की ओर आकर्षित हैं। मौन मानसिक संतुलन, आंतरिक अनुभव, सांस्कृतिक प्रतिरोध और अस्तित्व की वास्तविक अनुभूति प्रदान करता है।

हम ऐसे समय में जी रहे हैं जहां बोलना केवल संवाद का माध्यम नहीं रहा, बल्कि अस्तित्व का प्रमाण बन गया है। यदि हम सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट नहीं कर रहे, यदि हम किसी चर्चा में अपनी राय व्यक्त नहीं कर रहे, यदि हमारी उपस्थिति डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर दिखाई नहीं दे रही, तो मानो हम धीरे-धीरे अदृश्य होते जा रहे हैं। निरंतर अभिव्यक्ति की यह संस्कृति इतनी गहराई से हमारे जीवन में प्रवेश कर चुकी है कि चुप रहना अब स्वाभाविक नहीं, बल्कि असामान्य प्रतीत होता है। परंतु इसी असामान्यता के भीतर एक नई आध्यात्मिक प्रवृत्ति जन्म ले रही है जो है मौन का पुनर्जन्म।

यह मौन केवल शब्दों का अभाव नहीं है; यह उस निरंतर मानसिक और सामाजिक दबाव से बाहर निकलने का प्रयास है जिसमें हर व्यक्ति को हर विषय पर तुरंत प्रतिक्रिया देनी होती है। आज का युवा, जो दिन भर संदेशों, सूचनाओं, टिप्पणियों और दृश्य सामग्री के प्रवाह में डूबा रहता है, पहली बार यह अनुभव कर रहा है कि उसकी सबसे बड़ी थकान श्रम से नहीं, बल्कि निरंतर अभिव्यक्ति की बाध्यता से उत्पन्न होती है। यही कारण है कि ध्यान-शिविरों, साइलेंट-रिट्रीट, डिजिटल डीटॉक्स और एकांत यात्राओं की ओर उसका आकर्षण बढ़ रहा है। यह पलायन नहीं अपितु प्रतिरोध है।

मौन का यह नया आकर्षण भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के लिए नया नहीं है, परंतु इसका संदर्भ नया है। उपनिषदों में कहा गया है कि अंतिम सत्य शब्दों से परे है - यतो वाचो निवर्तन्ते- जहाँ वाणी लौट आती है। दक्षिणामूर्ति की प्रतिमा में गुरु मौन रहकर शिष्यों को ज्ञान देते हैं, और यह मौन ही सर्वोच्च उपदेश माना गया है। परंतु उस समय मौन साधना का मार्ग था; आज मौन मानसिक संतुलन की आवश्यकता बन गया है।

जीवन का आंतरिक आयाम धीरे-धीरे क्षीण होने लगताल्ल डिजिटल संस्कृति ने अभिव्यक्ति को लोकतांत्रिक बनाया है, परंतु साथ ही उसने एक ऐसी अदृश्य बाध्यता भी उत्पन्न की है जिसमें हर व्यक्ति स्वयं को निरंतर प्रस्तुत करने के लिए बाध्य महसूस करता है। विचार अभी पूर्ण रूप से बन भी नहीं पाता कि उसे साझा करने का दबाव उत्पन्न हो जाता है। अनुभव अभी भीतर उतर भी नहीं पाता कि उसका दृश्य रूप तैयार कर लिया जाता है। इस प्रक्रिया में जीवन का आंतरिक आयाम धीरे-धीरे क्षीण होने लगता है। मौन की ओर लौटना इस क्षरण के विरुद्ध एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया है।

मनोवैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो मौन केवल आध्यात्मिक अभ्यास नहीं, बल्कि तंत्रिका-तंत्र की पुनर्स्थापना का माध्यम है। निरंतर

सूचना-प्रवाह और प्रतिक्रिया की अपेक्षा मस्तिष्क को सतत सक्रिय अवस्था में रखती है, जिससे चिंता, थकान और ध्यान-भंग की समस्या बढ़ती है। जब व्यक्ति कुछ समय के लिए भी बोलना और सुनना बंद करता है, तब वह पहली बार अपने भीतर चल रही सूक्ष्म गतिविधियों को अनुभव कर पाता है। मौन उसे यह अवसर देता है कि वह प्रतिक्रिया के स्थान पर साक्षी भाव में स्थित हो सके। यहाँ एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक परिवर्तन दिखाई देता है। पहले मौन को सामाजिक रूप से असहज स्थिति माना जाता था; बातचीत में विराम आना असफलता समझा जाता था। आज वही मौन एक मूल्य बन रहा है। छोटे-छोटे ध्यान-समूह, बिना बातचीत की यात्राएँ, बिना मोबाइल के बिताए गए दिन... ये सब उस नई जीवन-दृष्टि के संकेत हैं जिसमें व्यक्ति अपनी ऊर्जा को बाहर नहीं, भीतर केंद्रित करना चाहता है। क्योंकि भीतर विचारों का शोर चलता रहता है मौन का यह पुनर्जन्म एक और स्तर पर भी महत्वपूर्ण है कि यह उपभोक्तावादी संरचना के विरुद्ध खड़ा होता है। आधुनिक अर्थव्यवस्था ध्यान पर आधारित है ङ्क यानि जितना अधिक समय हम स्क्रीन पर बिताते हैं, उतना ही हम इस संरचना का हिस्सा बनते हैं। मौन और ऑफलाइन समय इस अर्थव्यवस्था के प्रवाह को तोड़ते हैं। इस दृष्टि से मौन केवल व्यक्तिगत साधना नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रतिरोध भी है। परंतु यह मौन केवल बाहरी नहीं हो सकता। केवल शब्दों को रोक देना पर्याप्त नहीं, क्योंकि भीतर विचारों का शोर चलता रहता है। वास्तविक मौन तब उत्पन्न होता है जब व्यक्ति स्वयं को निरंतर परिभाषित करने की आवश्यकता से मुक्त होने लगता है। जब वह कुछ समय के लिए यह भूल जाता है कि उसे कौन-सा रूप प्रस्तुत करना है, तब वह अपने उस स्वरूप के निकट पहुँचता है जो किसी प्रदर्शन का विषय नहीं है। नई पीढ़ी के लिए यह अनुभव अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह ऐसी दुनिया में बड़ी हुई है जहाँ पहचान को निरंतर प्रदर्शित करना पड़ता है। मौन उसे पहली बार यह अनुभव कराता है कि उसका अस्तित्व उसकी अभिव्यक्ति से बड़ा है। यह अनुभव आध्यात्मिक है, क्योंकि यह व्यक्ति को उसकी आंतरिक उपस्थिति से जोड़ता है। मौन का पुनर्जन्म इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह हमें संवाद की एक नई गुणवत्ता की ओर ले जा सकता है। जब शब्द कम होते हैं, तब सुनना गहरा होता है। जब प्रतिक्रिया का दबाव नहीं होता, तब अनुभव अधिक स्पष्ट होता है। जब व्यक्ति स्वयं से मिलने लगता है, तब उसका संबंध दूसरों से भी अधिक प्रामाणिक हो जाता है। आज जब वर्ष का अधिकांश समय शोर, गति और निरंतर गतिविधि में बीत जाता है, तब यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या हम कभी सच में अपने साथ अकेले होते हैं। शायद मौन की ओर लौटने की यह प्रवृत्ति हमें यह स्मरण कराती है कि जीवन का सबसे गहरा आयाम अभिव्यक्ति में नहीं, बल्कि उपस्थिति में है। और संभवतः यही कारण है कि नई पीढ़ी, जो सबसे अधिक बोलने वाली पीढ़ी मानी जाती है, अब चुप रहने की कला को फिर से खोज रही है। यह लेखक के निजी विचार हैं।

क्या मध्य-पूर्व एक और 'महायुद्ध' की दहलीज पर है?

(पुष्परंजन)

अगर यह लड़ाई लंबी खिंचती है, तो यह खाड़ी देशों के लिए एक असली बदलाव बिंदु बन सकती है। एक ऐसा मोड़, जो देशों की सुरक्षा, उभयपक्षीय सहयोग और यहां तक कि उनके लंबे समय के आर्थिक भविष्य के बारे में सोचने के तरीके को बदल देगा।

ईरान पर अमेरिका-इजराइल के व्यापक हमले को दो दिन हुए हैं, यह पहले से ही साफ है कि इसका मध्य-पूर्व और खासकर खाड़ी पर गहरा असर पड़ेगा। अमेरिका-इजराइल की बमबारी में कई बड़े अधिकारियों के साथ सर्वोच्च नेता अली खामेनेई और उनके परिवार के लोग भी मारे गए हैं। ईरान में 40 दिन का शोक है। तेहरान ने न सिर्फ इजराइल बल्कि इस इलाके के कई देशों पर हमले करके जवाब दिया है।

सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, कुवैत और ओमान सभी पर ईरानी मिसाइलों या ड्रोन से हमला किया गया, जबकि इनमें से किसी भी देश ने अपने इलाके से ईरान पर हमला नहीं किया था। इन देशों में कई जगहों को निशाना बनाया गया, जिनमें अमेरिकी सैन्य अड्डे, हवाई अड्डे, बंदरगाह और वाणिज्यिक इलाके भी शामिल थे।

अगर यह लड़ाई लंबी खिंचती है, तो यह खाड़ी देशों के लिए एक असली बदलाव बिंदु बन सकती है। एक ऐसा मोड़, जो देशों की सुरक्षा, उभयपक्षीय सहयोग और यहां तक कि उनके लंबे समय के आर्थिक भविष्य के बारे में सोचने के तरीके को बदल देगा। ईरान से जुड़ा कोई भी लंबा संघर्ष समुद्री यातायात को प्रभावित करेगा, खासकर होर्मुज की खाड़ी, जो दुनिया की आर्थिक धमनियों में से एक है। थोड़ी बहुत रुकावट से ऊर्जा की कीमते तेज हो जाएंगी, जो निवेशकों के लिए नई चिंता पैदा कर सकती हैं।

हां, तेल की ज्यादा कीमतें अल्पकालिक राजस्व को बढ़ा सकती हैं, फिर भी ऊर्जा बाजार असंतुलित हो जाएगा। क्या ट्रंप तेल की कीमतों में भी उछाल चाहते थे? चीन और रूस ज्यादा देर चुपचाप नहीं रहेंगे। मास्को यदि सीधा नहीं भी कूदा, मगर इस उथल-पुथल का फायदा उठाकर हथियारों की बिक्री बढ़ा सकता है, वह क्षेत्रीय बंटवारे का भी लाभ उठा सकता है।

इस संदर्भ में जो वार्ता जिनेवा में चल रही थी, उसे ठीक से देखा जाए तो जो लोग मध्यस्थता कर रहे थे, उन्हें भी भरोसे में नहीं लिया गया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराकची ने वार्ता के इस दौर को, जो ओमान की मध्यस्थता और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजंसी के महानिदेशक राफेल ग्रासी की उपस्थिति में आयोजित किया गया था, आज तक की 'सबसे गंभीर और सबसे लंबी' वार्ता बताया था।

ईरान के विदेश मंत्री ने वार्ता के माहौल और ओमान की मध्यस्थता की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा था कि कुछ मुद्दों पर सहमति बहुत करीब आ गई है। बेशक, अभी भी मतभेद मौजूद हैं, जो स्वाभाविक है, लेकिन पहले की तुलना में बातचीत के समाधान तक पहुंचने के लिए दोनों पक्षों में अधिक गंभीरता देखी जा रही है।

उधर ईरान के विदेश मंत्री की घोषणा के अनुसार, 'इस बात पर सहमति हुई कि सोमवार से तकनीकी टीमें वियना में और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजंसी में विशेषज्ञ समीक्षा शुरू करेंगी। इस बैठक का उद्देश्य कुछ तकनीकी मुद्दों को एक निश्चित ढांचे में व्यवस्थित करना बताया गया है।' अराकची के मुताबिक, यह तय हुआ था कि हमारे विशेषज्ञों की अगले सोमवार को एजंसी के साथ बैठक होगी। वहां कुछ तकनीकी पहलुओं पर चर्चा की जानी है, ताकि ये तकनीकी पहलू स्पष्ट हो सकें, जिसके बाद हम राजनीतिक बैठकों में उन पर निर्णय ले सकें।'

अराकची के बयानों से निकट भविष्य में वार्ता के चौथे दौर के आयोजन की योजना की भी जानकारी मिली कि यह बैठक लगभग एक सप्ताह में आयोजित होगी। इस अंतराल में दोनों पक्षों को कुछ कदम उठाने होंगे, दस्तावेज तैयार करने होंगे और स्वाभाविक रूप से अपनी-अपनी राजधानियों में आवश्यक परामर्श करने होंगे। प्रतिबंधों को लेकर ईरान के रुख को स्पष्ट करते हुए जोर दिया गया कि तेहरान की अपेक्षाएं स्पष्ट रूप से रखी गई हैं।

शिक्षण संस्थानों की जवाबदेही और पाठ्यक्रम विवाद

मूल प्रश्न न्यायपालिका की आलोचना का नहीं, बल्कि उसकी प्रस्तुति की संतुलित संरचना का है। लोकतंत्र में किसी भी संस्था की आलोचनात्मक समीक्षा स्वाभाविक और आवश्यक है; किंतु जब प्रस्तुति एकांगी हो, संदर्भ अपूर्ण हों और विद्यार्थियों की आयु-संबंधी संवेदनशीलता की उपेक्षा की जाए, तब समस्या उत्पन्न होती है। कक्षा आठ के विद्यार्थियों के समक्ष यदि न्यायपालिका को भ्रष्टाचार के उदाहरणों के साथ प्रस्तुत किया जाता है, तो उसके साथ उसकी संवैधानिक भूमिका, नागरिक अधिकारों की रक्षा में योगदान तथा सुधारात्मक प्रयासों का उल्लेख भी अनिवार्य है। अन्यथा आलोचना शिक्षण का उपकरण न रहकर पूर्वाग्रह-निर्माण का माध्यम बन सकती है।

(डॉ.अमरेंद्र कुमार पाण्डेय)

हाल के समय में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार संबंधी उल्लेख को लेकर उत्पन्न विवाद ने भारतीय शिक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता और उत्तरदायित्व पर गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं।

इस प्रकरण में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा संज्ञान लिया जाना तथा केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण माँगा जाना यह संकेत करता है कि पाठ्यक्रम निर्माण अब केवल शैक्षणिक प्रक्रिया भर नहीं रह गया है, बल्कि संवैधानिक मर्यादाओं और संस्थागत संतुलन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील विषय बन चुका है।

मूल प्रश्न न्यायपालिका की आलोचना का नहीं, बल्कि उसकी प्रस्तुति की संतुलित संरचना का है। लोकतंत्र में किसी भी संस्था की आलोचनात्मक समीक्षा स्वाभाविक और आवश्यक है; किंतु जब प्रस्तुति एकांगी हो, संदर्भ अपूर्ण हों और विद्यार्थियों की आयु-संबंधी संवेदनशीलता की उपेक्षा की जाए, तब समस्या उत्पन्न होती है।

कक्षा आठ के विद्यार्थियों के समक्ष यदि न्यायपालिका को भ्रष्टाचार के उदाहरणों के साथ प्रस्तुत किया जाता है, तो उसके साथ उसकी संवैधानिक भूमिका, नागरिक अधिकारों की रक्षा में योगदान तथा सुधारात्मक प्रयासों का उल्लेख भी अनिवार्य है। अन्यथा आलोचना शिक्षण का उपकरण न रहकर पूर्वाग्रह-निर्माण का माध्यम बन सकती है।

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य इस विमर्श को और गहराई प्रदान करता है। सन् 1975 में घोषित आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर गंभीर प्रश्न उठे थे। विशेषकर 'जिला दंडाधिकारी जबलपुर बनाम शिवकांत शुक्ला' प्रकरण में दिए गए निर्णय की व्यापक आलोचना हुई।

यह उदाहरण स्पष्ट करता है कि न्यायपालिका भी त्रुटिहीन नहीं है और उसकी समीक्षा संभव है। किंतु समय के साथ न्यायपालिका ने अनेक महत्त्वपूर्ण निर्णयों के माध्यम से नागरिक स्वतंत्रताओं की रक्षा की और अपनी संस्थागत विश्वसनीयता को सुदृढ़ किया। इससे यह निष्कर्ष निकलता है कि आलोचना का स्वर संतुलित ऐतिहासिक संदर्भ के साथ होना चाहिए।

किशोरावस्था में निर्मित धारणाएँ दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ती हैं। यदि किसी एक संस्था की छवि केवल नकारात्मक संदर्भ में प्रस्तुत की जाती है, तो विद्यार्थियों के मन में व्यापक संस्थागत अविश्वास जन्म ले सकता है। यहाँ यह प्रश्न भी विचारणीय है कि यदि न्यायपालिका को लेकर संशय उत्पन्न होता है, तो क्या विद्यार्थियों के मन में कार्यपालिका के आचरण और कार्यशैली को लेकर भी प्रश्न नहीं उठेंगे?

जब बच्चे पढ़ते हैं कि शासन की किसी संस्था में भ्रष्टाचार संभव है, तो वे स्वाभाविक रूप से यह सोच सकते हैं कि क्या प्रशासनिक तंत्र, मंत्रालयों या सरकारी विभागों में भी ऐसी स्थितियाँ विद्यमान हैं। इस प्रकार असंतुलित प्रस्तुति पूरे शासन-तंत्र के प्रति शंका को जन्म दे सकती है।

शिक्षा का उद्देश्य न अंधविश्वास उत्पन्न करना है और न अंध-अविश्वास, बल्कि विवेकपूर्ण समझ विकसित करना है, जिससे विद्यार्थी संस्थाओं की भूमिका, सीमाएँ और जवाबदेही को संतुलित दृष्टि से देख सकें।

उच्च शिक्षा के स्तर पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। केवल दिशा-निर्देश जारी करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनका प्रभावी क्रियान्वयन तथा सतत निगरानी भी आवश्यक है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम को अनेक विश्वविद्यालयों ने अपनाया है; किंतु व्यवहारिक स्तर पर चौथे वर्ष की संरचना, शोध की गुणवत्ता तथा शैक्षणिक अनुशासन को लेकर प्रश्न उठे हैं। यदि नीतियों के क्रियान्वयन में स्पष्टता और कठोरता का अभाव रहेगा, तो सुधार की प्रक्रिया औपचारिकता तक सीमित रह सकती है।

पाठ्यक्रम विवादों का इतिहास भी नया नहीं है। सन् 2005 में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा लागू किए जाने के पश्चात इतिहास और सामाजिक विज्ञान की सामग्री को लेकर व्यापक बहसें हुई थीं।

विभिन्न समूहों ने वैचारिक संतुलन और निष्पक्षता पर प्रश्न उठाए। इन घटनाओं से स्पष्ट होता है कि पाठ्यक्रम निर्माण एक संवेदनशील और बहुस्तरीय प्रक्रिया है, जिसमें पारदर्शिता, विशेषज्ञता और उत्तरदायित्व—इन तीनों का समन्वय अनिवार्य है।

इस विषय पर देश के नेतृत्व द्वारा गंभीरता व्यक्त किया जाना शिक्षा तंत्र की व्यापक जवाबदेही की ओर संकेत करता है। जब यह प्रश्न उठता है कि पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा और निगरानी किस स्तर पर होती है, तो यह केवल एक संस्था की चर्चा नहीं रह जाती, बल्कि संपूर्ण शैक्षिक संरचना की पारदर्शिता से जुड़ जाती है। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक आधार-निर्माण की प्रक्रिया भी है।

अतः आवश्यक है कि मतभेदों और बहसों को संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए। पारदर्शी समीक्षा-तंत्र, उत्तरदायी विशेषज्ञ समितियां और प्रभावी निगरानी-व्यवस्था शिक्षा प्रणाली को अधिक सुदृढ़ बना सकती हैं।

निष्कर्षतः शिक्षा व्यवस्था में सुधार अपरिहार्य है, परंतु वह संतुलन, पारदर्शिता और स्पष्ट जवाबदेही पर आधारित होना चाहिए। पाठ्यक्रम केवल तथ्यों का संकलन नहीं, बल्कि दृष्टिकोण-निर्माण का माध्यम है।

यदि इसमें असंतुलन होगा, तो उसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों की लोकतांत्रिक समझ पर पड़ेगा। इसलिए आवश्यक है कि शैक्षिक संस्थानों और संबंधित प्राधिकरणों के बीच समन्वित तथा उत्तरदायी तंत्र स्थापित किया जाए।

बच्चों का विश्वास उनकी बुनियादी शिक्षा व्यवस्था, उसकी पाठ्य-सामग्री और वहाँ अध्यापन करने वाले शिक्षकों पर आधारित होता है। यदि यह विश्वास सुदृढ़ और सकारात्मक बना रहता है, तो वही राष्ट्र की स्थायी प्रगति का आधार बनता है।

भारत भी शिक्षा में सुधार, अनुशासन और उत्तरदायित्व के माध्यम से ही आगे बढ़ सकता है। यही हमारी सांस्कृतिक तथा सामाजिक मजबूती का वास्तविक आधार है।यह लेखक के निजी विचार हैं।

एक लाख जल संरचनाओं को बचाने कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने किया जल संगवारी अभियान का समीक्षा

अब तक 24 हजार सोख्ता गड्ढों एवं जल संरचनाओं का निर्माण

जल शक्ति जन भागीदारी 2.0 पोर्टल में 16 हजार से अधिक जल संचयों की हुई एंट्री

धान के बदले कम पानी से आमदनी वाले फसल उत्पादन के लिए किसानों को प्रेरित करने के निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत इंद्रजीत बर्मन ने शनिवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जल संगवारी अभियान के तहत जिलेभर में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से बनाए जा रहे सोख्ता गड्ढो, जल सरंचनाओं एवं जल शक्ति-जन भागीदारी 2.0 पोर्टल में एंट्री के संबंध में वन विभाग, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत समस्त, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारी, उपसंचालक कृषि, कार्यपालन अभियंता पीएचई, सहायक संचालक उद्यान, अनुविभागीय अधिकारी जल संसाधन विभाग, कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, सीएमओ नगरपालिका सारंगढ़ आदि अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जिलेभर में जल संरक्षण एवं संवर्धन हेतु चलाए जा रहे जल संगवारी अभियान के अंतर्गत जनभागीदारी एवं योजनाओं के माध्यम से किए गए गड्ढे व जल सरंचनाओं के निर्माण एवं जल शक्ति पोर्टल में अब हुए एंट्री के संबंध में जानकारी लेकर कलेक्टर कन्नौजे ने अफसरों को निर्देशित किया कि जल संगवारी अभियान के तहत हर ग्राम पंचायत में विभागों के माध्यम से जल बचाव हेतु आवश्यक कदम उठाये जाए, जिसमें कालेज एवं स्कूलों में निबंध एवं पेंटिग प्रतियोगिता, गांवों में रैली निकालकर व चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को जल निकासी स्थान पर श्रमदान से अधिक से अधिक सोख्ता गड्ढा किए जाने प्रेरित करना आदि जागरूकता कार्यक्रम चलाये जा सकते है। इस अवसर पर कलेक्टर ने कृषि विभाग के अमला को धान के बदले कम पानी से अधिक आमदनी वाले अन्य फसल जैसे- दलहनी- तिलहन एवं मोटा फसल के उत्पादन हेतु किसानों को प्रोत्साहित करने निर्देशित किया, ताकि अधिक से अधिक पानी का बचाव हो सके। उल्लेखनीय है कि जल संवर्धन हेतु कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे इस अभियान के तहत जिलेभर में अब तक 24 हजार से अधिक सोख्ता गड्ढों एवं अन्य संरचनाओं का निर्माण एवं जल शक्ति जन भागीदारी 2.0 पोर्टल में 16 हजार से अधिक जल संचयों की फोटो अपलोड किया जा चुका है।

विभागों को मिला लक्ष्य

बैठक में जनपद पंचायत बरमकेला को 35 हजार, बिलाईगढ़ को 20 हजार एवं सारंगढ़ को 20 हजार, इसप्रकार कुल 75 हजार सोख्ता गड्ढा एवं अन्य सरंचनाओं का पोर्टल में एंट्री करने का लक्ष्य दिया गया है। इसी तरह वन विभाग को 30 हजार, शिक्षा विभाग को 3 हजार, जिले के सभी नगरीय निकाय में कुल 10 हजार पोर्टल में एंट्री करने निर्देश दिया गया।

लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर की सुरक्षा और उद्यान जीर्णोद्धार की मांग, विधायक किरण सिंह देव को सौंपा ज्ञापन

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बिते शनिवार को महाराजा प्रवीर चंद्र शक्ति केंद्र के बूथ क्रमांक 117 के अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा की पहल पर शक्ति केंद्र के सभी बूथ अध्यक्षों और वार्डवासियों ने लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर स्थित उद्यान के जीर्णोद्धार और मंदिर क्षेत्र को असामाजिक तत्वों से सुरक्षित रखने की मांग को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव को ज्ञापन सौंपा।

नगर मंत्री पश्चिम मंडल एवं महाराजा प्रवीर चंद्र शक्ति केंद्र के प्रभारी अविनाश सिंह गौतम ने बताया कि वार्डवासियों की लंबे समय से मांग थी कि लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर में स्थित उद्यान का जीर्णोद्धार किया जाए और मंदिर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए, ताकि असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर रोक लग सके। ज्ञापन मिलने के बाद विधायक किरण सिंह देव ने

मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए सिटी कोतवाली थाना प्रभारी से भी फोन पर चर्चा कर समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। मांगों पर त्वरित संज्ञान लेकर कार्रवाई करने पर वार्डवासियों ने विधायक का आभार व्यक्त किया। इस दौरान महाराजा प्रवीर चंद्र शक्ति केंद्र के संयोजक प्रेम सेठिया, बूथ अध्यक्ष वीरेंद्र शर्मा, गंगोत्री चंद्रवंशी, ढालेश्वर नाग, गजेंद्र पगाड़े, बीएलए-2 पार्वती पाटनकर, सोमेश नाग और प्रफुल्ल कुमारी बघेल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तेलंगाना में 130 माओवादियों ने किया सरेंडर, 124 हथियार और 5205 कारतूस पुलिस को सौंपे, PLGA के कई कमांडर शामिल

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । तेलंगाना में माओवादी संगठन को बड़ा झटका लगा है। शनिवार को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) में 130 माओवादी कैडरों ने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर दिया। यह आत्मसमर्पण मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की मौजूदगी में हुआ। आत्मसमर्पण करने वालों में संगठन के विभिन्न स्तरों के नेता और कैडर शामिल हैं। इनमें 3 राज्य समिति सदस्य, 10 संभागीय समिति सदस्य, 46 क्षेत्रीय समिति सदस्य और 70 पार्टी सदस्य शामिल बताए गए हैं। सभी ने मिलकर पुलिस को कुल 124 हथियार और 5205 जिंदा कारतूस सौंपे।

कई बड़े माओवादी नेता भी शामिल -आत्मसमर्पण करने वालों में संगठन के कई अहम पदों पर रहे नेता भी शामिल हैं। इनमें एंड्री कालिथराम उर्फ उइके कल्लू और कोरसा लक्खू, जो पीएलजीए बटालियन के कंपनी कमांडर रहे हैं, प्रमुख हैं। इसके अलावा चालासानी नवाथा उर्फ चंद्रा (डीके एसजेडसी सदस्य), इरपा रामू उर्फ विनोद (आरसीएम), मुचाकी उंगल उर्फ सुधाकर और पोट्टम अरुणा उर्फ सनिकी (दोनों डीवीसीएम) सहित कई वरिष्ठ कैडरों ने भी संगठन छोड़ दिया।

भारी मात्रा में हथियार जमा- माओवादियों ने पुलिस को जो हथियार सौंपे, उनमें 1 एलएमजी, 31 एके-47 राइफल, 21 इंसास राइफल, 20 एसएलआर राइफल, 18 .303 राइफल, 1 कार्बाइन, 2 पिस्टल, 1 एफएएल राइफल और 18 देशी बंदूकें शामिल हैं। अधिकारियों के मुताबिक इतने बड़े पैमाने पर हथियारों का आत्मसमर्पण माओवादी संगठन की सैन्य क्षमता को कमजोर करने वाला कदम माना जा रहा है।

संगठन की सैन्य ताकत को झटका -पुलिस का कहना है कि इस आत्मसमर्पण से माओवादी संगठन की प्रमुख सैन्य इकाई -पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी को बड़ा नुकसान हुआ है। बड़ी संख्या में सक्रिय कैडरों के संगठन छोड़ने से उसकी गतिविधियों पर असर पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने हथियारों की समीक्षा की -मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र में जमा कराए गए हथियारों का निरीक्षण किया और अधिकारियों से चर्चा की। इसे राज्य में शांति और सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री की अपील का असर-बताया गया कि अक्टूबर 2025 में मुख्यमंत्री ने माओवादी कैडरों से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की थी। सरकार की पुनर्वास नीति और इसी अपील से प्रभावित होकर कई कैडरों ने आत्मसमर्पण का फैसला लिया। आत्मसमर्पण करने वाले कई कैडरों ने भी शांतिपूर्ण जीवन जीने और परिवार के साथ सामान्य जीवन बिताने की इच्छा जताई है।

पुनर्वास योजना के तहत सहायता -सरकार की पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके तहत एससीएम को 20 लाख रुपये, डीवीसीएम या साइपीसीएम को 5 लाख रुपये, एसीएम या पीपीसीएम को 4 लाख रुपये और पार्टी सदस्य को 1 लाख रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा हथियार जमा करने पर भी प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। कुल मिलाकर 130 आत्मसमर्पित कैडरों को लगभग 4 करोड़ 18 लाख 20 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाएगी। फिलहाल सभी को 25 हजार रुपये की अंतरिम राहत प्रदान की गई है।

पुलिस टीमों की सराहना -तेलंगाना पुलिस के अधिकारियों ने इस सफलता के लिए स्पेशल इंटेलिजेंस ब्रांच और पुलिस टीमों के प्रयासों की सराहना की है। उनका कहना है कि यह कार्रवाई माओवादी नेटवर्क के कमजोर होने का संकेत है और क्षेत्र में शांति स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने आयुष्मान कार्ड का शत- प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए

सारंगढ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा शनिवार को दानसरा ग्राम में आयोजित सेक्टर बैठक में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा की। विशेष रूप से आयुष्मान कार्ड शिविर पर विस्तृत चर्चा करते हुए उन्होंने शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने हेतु कार्ययोजना तैयार कर तत्काल क्रियान्वयन के कड़े निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने स्वास्थ्य योजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन लक्ष्यों की पूर्णता पर जोर देते हुए अधिकारियों को जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को कार्ड उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, जिसके लिए समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। इस बैठक में डिप्टी कलेक्टर सह ओआईसी (स्वास्थ्य विभाग) शिक्षा शर्मा , खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. आर एल सिदार, जिला समन्वयक (आयुष्मान भारत) रोशन सचदेव, सेक्टर प्रभारी एवं अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

ड्रीमसिटी में नाले के किनारे बना अवैध निर्माण निगम ने किया ध्वस्त

भिलाई/मूक पत्रिका

नगर पालिक निगम भिलाई-चरौदा द्वारा अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ड्रीमसिटी क्षेत्र में नाले के समीप किए जा रहे अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। यह कार्रवाई निगम प्रशासन द्वारा की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ड्रीमसिटी कॉलोनी उमदा, भिलाई-03 के निवासी अभिषेक मिश्रा (प्लॉट नंबर 98) ने अपने प्लॉट के सामने नाले के किनारे किए जा रहे अवैध निर्माण के संबंध में निगम प्रशासन को शिकायत दी थी। शिकायत के बाद निगम अमले द्वारा मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सरकारी भूमि पर लगभग 15 फीट गहरा तथा करीब 50 फीट चौड़ा कॉम्प्लेक्सनुमा अवैध निर्माण किया जा रहा था। निगम आयुक्त डी.एस. राजपूत के निर्देश पर राजस्व अधिकारी अरुणिमा दुबे के नेतृत्व में निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर उक्त अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान उप अभियंता मुकेश रात्रे, सहायक राजस्व निरीक्षक सरोजनी यदु, दुष्यंत चतुर्वेदी सहित निगम के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा और निर्माण करने वालों के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी।

कुपोषण पर विजयः नन्ही त्रिशूल ने दो माह में पाई नई जिंदगी, एनआरसी के प्रयासों से लौटी सामान्य श्रेणी में

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में कुपोषण के खिलाफ चल रहे प्रयासों के बीच एक प्रेरक उदाहरण सामने आया है। भोपालपटनम के पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती नन्ही त्रिशूल वासम ने दो महीने के उपचार और देखभाल के बाद गंभीर कुपोषण को मात देकर सामान्य श्रेणी में वापसी कर ली है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार प्रारंभिक स्वास्थ्य जांच में त्रिशूल की स्थिति काफी चिंताजनक पाई गई थी। बच्चे का वजन और ऊंचाई मानक से काफी कम थी, जिसके कारण उसे अत्यंत गंभीर कुपोषित (सैम) श्रेणी में रखा गया था। स्थिति को देखते हुए उसे तत्काल पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराने की सलाह दी गई। शुरुआत में त्रिशूल के माता-पिता उसे एनआरसी ले जाने के लिए तैयार नहीं थे। परिवार के मन में कई तरह

की आशंकाएं और झिझक थीं। ऐसे में महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सुपरवाइजर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कई बार घर जाकर परिजनों की काउंसलिंग की और बच्चे के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। लगातार समझाइश के बाद परिवार बच्चे को भोपालपटनम के Nutrition Rehabilitation Centre में भर्ती कराने के लिए तैयार हुआ। एनआरसी में भर्ती होने के बाद त्रिशूल को विशेष पौष्टिक आहार, नियमित स्वास्थ्य जांच और चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया। लगभग दो महीने तक चले उपचार और देखभाल के बाद उसके स्वास्थ्य में धीरे-धीरे सुधार होने लगा। अब त्रिशूल पूरी तरह स्वस्थ है और उसके वजन व ऊंचाई में संतोषजनक वृद्धि दर्ज की गई है। चिकित्सकों के अनुसार बच्चा अब गंभीर कुपोषण की श्रेणी से बाहर आ चुका है।

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि इस सफलता में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के धैर्य और समर्पण की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनका कहना है कि सही समय पर उपचार और पौष्टिक आहार मिलने से किसी भी बच्चे को कुपोषण से बाहर लाया जा सकता है।

कांकेर पुलिस की बड़ी कामयाबी,दुकान का शटर उखाड़ने वाले 2 शातिर चोर 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार

कांकेर /मूक पत्रिका

उत्तर बस्तर कांकेर की सिटी कोतवाली पुलिस ने चोरी के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। शहर के 'जय बम्बे किराना स्टोर' में चोरी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने घटना के महज 24 घंटे के भीतर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। पकड़े गए आरोपियों में एक आदतन अपराधी भी शामिल है। सुभाष वार्ड निवासी प्रार्थी नीमेष ठक्कर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 5 मार्च की रात वह अपनी दुकान ताला लगाकर घर गए थे। अगले दिन सुबह जब वह दुकान पहुंचे, तो वहां का ताला टूटा हुआ मिला। अज्ञात चोरों ने दुकान के भीतर से चिल्लर पैसे और खाने-पीने का सामान पार कर दिया था। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू

की। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में टीम ने मुखबिरों का जाल बिछाया। सूचना मिली कि दो संदिग्ध व्यक्ति गढ़िया पहाड़ के नीचे छिपे हुए हैं। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर शिवा बाल्मिकी (26 वर्ष) और भरत साहू (24 वर्ष) को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपियों के पास से पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल सामान और नकदी बरामद की हैकुल नकदी 1,711 रुपयेवाहन एक मोटरसाइकिल छ्त्त 19 क्र्न्न 8188लोहे का सब्बल, पेंचकस और पेंचिस । पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी शिवा बाल्मिकी पहले से ही थाने का गुंडा बदमाश है और उस पर कई अन्य अपराध भी दर्ज हैं। आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया गया है। संपूर्ण कार्यवाही में पुलिस टीम निरीक्षक जितेन्द्र कुमार साहू, दिनेश कुलदीप, कौशल साहू, रूद्र जुरी, रामू जुरी और अनिल मरकाम ।

132 केवी सब स्टेशन की मांग तेज, कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन..

बिजली कटौती और लो वोल्टेज के विरोध में सरिया में कांग्रेस का धरना

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

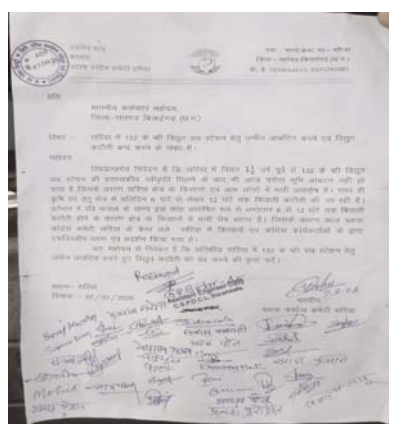

सरिया क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या को लेकर शनिवार 7 मार्च को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सरिया ने अटल चौक में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने बिजली व्यवस्था को लेकर शासन और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए अपनी नाराजगी जताई। धरना सुबह से शुरू होकर कई घंटों तक चलता रहा। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि सरिया और आसपास के गांवों में लंबे समय से बिजली की गंभीर समस्या बनी हुई है। बार-बार शिकायत और ज्ञापन देने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ है, जिससे आम जनता, किसान और छोटे व्यापारियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

132 केवी सब स्टेशन की मांग हुई तेज- धरने के दौरान प्रमुख मांगों में सरिया क्षेत्र के लिए 132 केवी सब स्टेशन की स्थापना और उसके लिए भूमि आवंटन को लेकर आवाज उठाई गई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि क्षेत्र में बढ़ती आबादी और औद्योगिक गतिविधियों के कारण बिजली की मांग लगातार बढ़ रही है, लेकिन मौजूदा व्यवस्था से पर्याप्त आपूर्ति नहीं हो पा रही है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि क्षेत्र में 132 केवी सब स्टेशन स्थापित हो जाता है तो बिजली की समस्या काफी हद तक खत्म हो सकती है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

बिजली विभाग के अधिकारियों ने पहुंचकर की समझाइश- धरना प्रदर्शन के दौरान विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। बरमकेला के असिस्टेंट इंजीनियर जी. एस. सिदार और सरिया के जूनियर इंजीनियर मदन नायक ने प्रदर्शनकारियों से चर्चा की और उनकी मांगों को उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने और जल्द मांग पूरा करने का आश्वासन दिया।

अधिकारियों की समझाइश के बाद प्रदर्शनकारियों ने फिलहाल अपना धरना समाप्त कर दिया, लेकिन चेतावनी दी कि यदि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

पहले भी दिए जा चुके हैं कई ज्ञापन- ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सरिया के अध्यक्ष उग्रसेन साहू का कहना है कि इससे पहले भी कई बार बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या को लेकर शासन-प्रशासन को ज्ञापन दिया गया था। इसके बावजूद कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि आने वाले समय में बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ और 132 केवी सब स्टेशन के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई, तो जनता के हित में चक्का जाम जैसे बड़े आंदोलन भी किए जाएंगे।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद- धरना प्रदर्शन में शरद यादव, उग्रसेन साहू, हिमांशु पाणीग्राही, अगनू पटेल, खेमराज नायक, रूप पटेल, प्रकाश पुरोहित, जयप्रकाश, हलधर राव जाधव, निखिल डनसेना, गगन साहू, संजय प्रधान, उपेंद्र पातरे, रूप डनसेना, तफ्सीर, राकेश, अजय शराफ, हेमाराम डनसेना, सरोज, सरोज प्रधान, सरोज कर्ष, मधु साहू, गौतम, रवि सहिस, बलवी, संजय बारीक, ललित साहू, विशाल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके अलावा एनएसयूआई, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, सेवा दल, नगर पंचायत सरिया के पार्षद और वरिष्ठ कांग्रेसजन भी बड़ी संख्या में धरने में शामिल हुए।

राष्ट्रीय दैनिक
मूक पत्रिका
निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

सैमसंग ने भारत में गैलेक्सी एस 26 सीरीज की अर्ली डिलीवरी शुरू करने की घोषणा की

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने आज भारत में उन ग्राहकों के लिए अपनी सबसे उन्नत एआई–आधारित स्मार्टफोन लाइन, गैलेक्सी एस 26 सीरीज की अर्ली डिलीवरी (समय से पहले डिलीवरी) की घोषणा की है, जिन्होंने इन डिवाइसेज को प्री–बुक किया था। गैलेक्सी एस 26 सीरीज – जिसमें एस 26 अल्ट्रा, एस 26+ और एस 26 शामिल हैं – मोबाइल फोन के लिए दुनिया का पहला बिल्ट–इन प्राइवेसी डिस्प्ले पेश करती है, जो डिस्प्ले अनुभव की एक नई श्रेणी की शुरुआत करता है। साथ ही इसमें एजेंटिक एआई है, जो चुपचाप रोज़मर्रा के काम संभाल लेता है ताकि यूज़र्स उन चीज़ों पर ध्यान दे सकें जो वास्तव में महत्वपूर्ण हैं। गैलेक्सी एस 26 अल्ट्रा क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5 प्लेटफॉर्म द्वारा संचालित है, जो इसके 7.9 मिमी के पतले डिज़ाइन में सीपीयू, जीपीयू और एनपीयू के प्रदर्शन में भारी सुधार लाता है। इसमें सुपर–फास्ट चार्जिंग 3.0 की सुविधा है, जिससे यह सिर्फ 30 मिनट में लगभग 75त्न तक चार्ज हो सकता है। कैमरे के मामले में भी गैलेक्सी एस 26 अल्ट्रा में कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। इसमें बेहतर लो–लाइट फोटोग्राफी के लिए बड़े अपर्चर और कम रोशनी में भी जीवंत व स्पष्ट फुटेज के लिए बेहतर नाइटोग्राफी वीडियो शामिल है। इसकी अपग्रेडेड सुपर स्टेडी; तकनीक वीडियो रिकॉर्डिंग के दौरान स्थिर फ्रेमिंग सुनिश्चित करती है। इसके एआई आईएसपीमें सुधारों का लाभ सेल्फी कैमरे को भी मिलता है, जो हर तरह की रोशनी में प्राकृतिक स्किन टोन्स और बारीक डिटेल्स देता है। विशेष रूप से, यह डिवाइस एडवांस्ड प्रोफेशनल वीडियो मानक को सपोर्ट करने वाला पहला गैलेक्सी फोन है, जो हाई–क्वालिटी वीडियो को कुशलता से कंप्रेस करने में मदद करता है। नई सीरीज में एआई एडिटिंग टूल्स को अपग्रेड किया गया है, नाउ ब्रीफ और बेहतर सर्किल टू सर्च जैसे रियल–टाइम फीचर्स जोड़े गए हैं, और बिक्सबी, जेमिनी व परप्लेक्सिटी जैसे एआई एजेंट्स के साथ गहरा तालमेल दिया गया है। सुरक्षा अभी भी केंद्र में है, जिसमें प्राइवेट एल्बम, नॉक्स मैट्रिक्स सुरक्षा, सात पीढ़ियों तक ओएस अपडेट और सात साल तक सुरक्षा अपडेट की सुविधा दी गई है।

महिला दिवस पर कलर्स की प्रमुख अभिनेत्रियाँ बता रही हैं कि उनके लिए सशक्ति करण का क्या अर्थ है

प्रियंका चाहर चौधरी, जो कलर्स के सुपरनैचुरल शो 'नागिन' में अनंता का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं मैं चार बहनों वाले परिवार में पली–बढ़ी हूँ, इसलिए मज़बूती हमारे जीवन का स्वाभाविक तरीका था। हमें हमेशा यह सिखाया गया कि स्वतंत्र होना कोई विकल्प नहीं, बल्कि ज़रूरी है। मेरे पिता हमेशा कहते थे – 'अगर तुम दुनिया में कदम नहीं रखोगी, तो सीखोगी कैसे?' मैंने देखा है कि महिलाओं पर लगाए गए कई प्रतिबंध उनकी क्षमता से नहीं, बल्कि सोच और परवरिश से आते हैं। मुझे यह अवसर मिलने का सौभाग्य है कि मैं नागिन में सर्प रानी अनंता का रूप लेकर शक्ति का प्रदर्शन कर सकूँ। हमारी संस्कृति में हम अक्सर देवी शक्ति और महादेव की बात करते हैं, और मुझे लगता है कि यह प्रतीकवाद यूँ ही नहीं है। शक्ति और सौम्यता साथ–साथ रह सकती हैं। मेरी इच्छा है कि और महिलाएँ अपनी 'सुपरपावर' पहचानें – चाहे वह कोई हुनर हो, कोई कला हो या कोई जन्मजात गुण। हर महिला को महिला दिवस की शुभकामनाएँ, जो अपनी प्रखर और कोमल दोनों ही पक्षों को अपनाती है।

मानसी साल्वी, जो कलर्स के शो 'महादेव एंड सन्स' में भानु का किरदार निभा रही हैं, कहती हैं –मुझे अच्छा लगता है कि महिला दिवस लोगों को रुककर यह सोचने पर मजबूर करता है कि महिलाएँ रोज़ाना किन परिस्थितियों से गुज़रती हैं। लेकिन यह ठहराव सिर्फ एक दिन का नहीं होना चाहिए, बल्कि पूरे साल हमारी सोच बदलनी चाहिए। आज मुझे सबसे ज़्यादा उत्साहित करता है यह देखना कि महिलाएँ कितनी मज़बूती से एक–दूसरे के लिए खड़ी हो रही हैं। उस बहनापे में एक शांत शक्ति है – सीमाएँ तय करने में, 'ना' कहने में और उसके लिए माफ़ी न माँगने में। भानु भी ऐसी ही महिला है। वह अपने विश्वासों पर अडिग रहती है, चाहे हालात कितने भी उलझे क्यों न हों। शो का नाम भले ही महादेव एंड सन्स है, लेकिन असल में कहानी को आगे बढ़ाने वाली और अपनी शक्ति गढ़ने वाली महिलाएँ ही हैं। इस महिला दिवस पर मेरी आशा है कि और महिलाएँ अपनी आवाज़ पर भरोसा करें, जगह बनाएँ और खुद पर शक करना बंद करें।

ईरानी हथियार से पस्त हुए खाड़ी देश-जेलेंस्की से मांगनी पड़ी मदद, पश्चिम एशिया युद्ध में कूदेगा यूक्रेन?

कीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में धधकती जंग के बीच एक नया और चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। एक ओर डोनाल्ड ट्रंप ईरान के खिलाफ अमेरिका की मजबूत स्थिति का दावा कर रहे हैं, वहीं अब इस मामले में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के ताजा बयान ने इस संघर्ष की दिशा ही बदल दी है। सवाल तो यहां तक उठ रहे है कि क्या अब इस संघर्ष में यूक्रन भी कूदने वाला है? आइए जानते हैं कि जेलेंस्की ने ऐसा क्या कहा? पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब सातवें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ईरानी ड्रोन के खतरे से निपटने के लिए अमेरिका और पश्चिम एशिया के कई देश यूक्रेन के अनुभव का सहारा लेना चाहते हैं। ऐसे समय में जेलेंस्की के इस बयान से एक बात तो साफ हो गई है कि यह टकराव केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसका असर अब वैश्विक सुरक्षा और कूटनीति तक फैलते नजर आ रहे हैं। इसके चलते कई देश अब

यूक्रेन के अनुभव और तकनीक की ओर देख रहे हैं।

अपने बयान में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका और पश्चिम एशिया के कई देश ईरान के शाहेद ड्रोन से बचाव के लिए यूक्रेन के अनुभव का सहारा लेना चाहते हैं। जेलेंस्की के अनुसार अमेरिका समेत कई देशों ने यूक्रेन से संपर्क किया है। उन्होंने हाल के दिनों में संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, जॉर्डन और कुवैत के नेताओं से भी इस मुद्दे पर बातचीत की है। दरअसल, रूस ने पिछले चार वर्षों में यूक्रेन पर हजारों शाहेद ड्रोन से हमला किया है। हाल ही में रूस ने एक रात में 800 से ज्यादा ड्रोन और नकली लक्ष्य छोड़कर बड़ा हमला किया था। अब ईरान भी अमेरिका-इस्राइल के हमलों के जवाब में पश्चिम एशिया के कई इलाकों में इसी तरह के ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है।

जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन तभी मदद देगा जब इससे उसकी अपनी सुरक्षा कमजोर न हो और इससे रूस के खिलाफ चल रहे युद्ध को खत्म करने की कूटनीतिक कोशिशों को भी मजबूती मिले। उन्होंने कहा कि यूक्रेन उन्हीं देशों की रक्षा में मदद करता है जो हमारी सुरक्षा और हमारे लोगों की रक्षा में सहयोग करते हैं। इसके साथ ही बाद में जेलेंस्की ने इस बात पर भी जोर दिया कि अमेरिका ने भी पश्चिम एशिया में ड्रोन हमलों से बचाव के लिए यूक्रेन से मदद मांगी है। इसके बाद उन्होंने उपकरण और यूक्रेनी विशेषज्ञ भेजने का आदेश दिया, हालांकि उन्होंने इसकी पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं की।

ड्रोन रक्षा में यूक्रेन का खास अनुभव: देखा जाए तो रूस के लगातार ड्रोन हमलों का सामना करते-करते यूक्रेन ने सस्ती लेकिन प्रभावी ड्रोन रोधी तकनीक विकसित कर ली है। यूक्रेनी विशेषज्ञों ने ऐसे इंटरसेप्टर ड्रोन बनाए हैं जो लगभग 1,000 डॉलर की लागत में दुश्मन ड्रोन को ढूंढकर नष्ट कर सकते हैं। इस नई तकनीक ने हवाई सुरक्षा की पारंपरिक व्यवस्था को बदल दिया है और कई देशों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। पिछले साल सितंबर में पोलैंड को भी सस्ते ड्रोन से खतरा महसूस हुआ था। इसके बाद उसने महंगे लड़ाकू विमान जैसे एफ-35 लाइटनिंग द्वद्व और एफ-16 फाइटिंग फाल्कन को उड़ान भरने के लिए तैयार कर दिया था। अब इसमें तो कोई दोहराई नहीं यूक्रेन का तेजी से बढ़ता ड्रोन उद्योग अब इतनी क्षमता हासिल कर चुका है कि वह इन प्रणालियों का निर्यात भी कर सकता है।

हर हफ्ते अरबों डॉलर का नुकसान, अर्थव्यवस्था कैसे बना चिंता का विषय

यरूशलम, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान-इस्राइल संघर्ष अब इस्राइल की अर्थव्यवस्था पर भारी बोझ डाल रहा है। वित्त मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि सुरक्षा प्रतिबंधों के चलते देश हर हफ्ते करीब 9.4 अरब शेकेल (लगभग 3 अरब डॉलर) का नुकसान झेल रहा है। होम फ्रंट कमांड के कड़े निर्देशों के तहत स्कूल, गैर-जरूरी कार्यस्थल और सार्वजनिक गतिविधियां ठप हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर गंभीर असर पड़ा है। ईरान के साथ जारी युद्ध के कारण इस्राइल की

अर्थव्यवस्था को हर सप्ताह भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस्राइल के वित्त मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि मौजूदा प्रतिबंधों के कारण देश की अर्थव्यवस्था को हर हफ्ते लगभग 9.4 अरब शेकेल (करीब 3 अरब डॉलर) का नुकसान हो सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, वित्त मंत्रालय के महानिदेशक इलान रोम ने होम फ्रंट कमांड के प्रमुख मेजर जनरल शाई क्लैपर को पत्र लिखकर आर्थिक गतिविधियों पर लगे कड़े प्रतिबंधों में ढील देने की मांग की है। उन्होंने कहा, सुरक्षा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए भी अर्थव्यवस्था को पूरी तरह बंद रखना बेहद महंगा साबित हो रहा है। पिछले ढाई वर्षों से सुरक्षा जरूरतों और युद्ध के असर के कारण देश की अर्थव्यवस्था पर पहले ही भारी बोझ पड़ा है। ऐसे में अब ऐसा समाधान तलाशना जरूरी है, जिससे सुरक्षा और आर्थिक गतिविधियों दोनों का संतुलन बना रहे। दरअसल, पिछले सप्ताह शनिवार को इस्राइल व अमेरिका की ओर से ईरान पर किए गए हमले के बाद इस्राइली रक्षा बलों के होम फ्रंट कमांड ने पूरे देश में सख्त दिशानिर्देश लागू कर दिए थे। इसके तहत सभी तरह की सार्वजनिक सभाओं, शैक्षणिक गतिविधियों और गैर-जरूरी कार्यस्थलों को बंद करने का आदेश दिया गया था। इन नियमों के तहत लोगों की काम पर आने-जाने की आवाजाही सीमित कर दी गई है और घर से काम करने को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

यूएस टैरिफ ट्रंप के नए वैश्विक टैरिफ के खिलाफ कोर्ट पहुंचे 20+ अमेरिकी राज्य, प्रशासन पर लगाए आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनियाभर में चर्चा में रहे अमेरिकी आयात टैरिफ पर अब बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिका के 20 से अधिक राज्यों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक टैरिफ के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। आरोप है कि ट्रंप अपने अधिकारों से आगे बढ़कर 15त्न तक शुल्क लगा रहे हैं, जिससे व्यापारियों और आम लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। दुनियाभर में लंबे समय से चर्चा में रहे अमेरिकी टैरिफ पर अब बड़ा कानूनी विवाद खड़ा हो गया है। जहां एक ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यह नीति बार–बार कोर्ट में चुनौती का सामना कर रही है। वहीं दूसरी ओर अब अमेरिका के 20 से अधिक राज्यों ने ट्रंप के नए वैश्विक आयात टैरिफ के खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया है। राज्यों का आरोप है कि राष्ट्रपति ट्रंप अपने अधिकारों से आगे बढ़कर यह शुल्क लगा रहे हैं, जिससे व्यापारियों और आम नागरिकों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। मुकदमा न्यूयॉर्क स्थित अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत में सुना जाएगा। बता दें कि राष्ट्रपति ट्रंप के खिलाफ यह मुकदमा ओरेगन, एरिजोना, कैलिफोर्निया और न्यूयॉर्क समेत कई डेमोक्रेटिक राज्यों के अटॉर्नी जनरल की ओर से दायर किया गया है। उनका आरोप है कि ट्रंप दुनिया के कई देशों से आने वाले सामान पर 15 प्रतिशत तक का आयात शुल्क लगाने की योजना बना रहे हैं, जो कानून के दायरे से बाहर है। अपने इस नीति पर ट्रंप का कहना है कि यह टैरिफ अमेरिका के लंबे समय से चले आ रहे व्यापार घाटे को कम करने के लिए जरूरी हैं। उन्होंने यह शुल्क 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 122 के तहत लगाया है। इस धारा के अनुसार राष्ट्रपति केवल 15 प्रतिशत तक आयात शुल्क लगा सकते हैं और यह अधिकतम पांच महीने तक ही लागू रह सकता है। अगर जरूरत हो तो कांग्रेस इसकी अवधि बढ़ा सकती है। दूसरी ओर मुकदमा करने वाले राज्यों का कहना है कि यह धारा केवल विशेष परिस्थितियों में इस्तेमाल की जा सकती है, न कि पूरे देशों के सामान पर सामान्य रूप से। उनका मानना है कि इस टैरिफ से राज्यों, व्यापारियों और आम लोगों पर महंगाई और आर्थिक दबाव बढ़ेगा।

पश्चिम एशिया में और बढ़ेगी जंग की आग- कूर्द समूहों को उतारने की तैयारी में ट्रंप, ईरान के लिए खतरनाक कैसे

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान संघर्ष के छठे दिन पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ गया। ईरान ने इराक के कुर्दिस्तान क्षेत्र में कुर्द समूहों के ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले शुरू कर दिए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप हाल के दिनों में कई कुर्द नेताओं से संपर्क में रहे हैं। विश्लेषकों के अनुसार, वॉशिंगटन इन समूहों का इस्तेमाल ईरान में सैन्य दबाव बढ़ाने और विद्रोह भड़काने के लिए कर सकता है। अमेरिका- इस्राइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के छठे दिन पश्चिम एशिया का संघर्ष और जटिल हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान और इराक के कई कुर्द समूहों के नेताओं से हालिया बातचीत की खबरों के बीच ईरान ने इराक के स्वायत्त कुर्दिस्तान क्षेत्र में स्थित कुर्द ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले शुरू कर दिए हैं। तेहरान इन समूहों को ईरान विरोधी अलगाववादी ताकतें बता रहा है, जबकि विश्लेषकों का मानना है कि वॉशिंगटन इन कुर्द संगठनों का उपयोग ईरान के भीतर सैन्य दबाव बढ़ाने और संभावित विद्रोह को बढ़ावा देने के लिए कर सकता है। अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान पर शुरू किए गए हमलों के बाद क्षेत्रीय संघर्ष तेजी से फैलता दिखाई दे रहा है। ईरान ने इराक के अर्ध-स्वायत्त कुर्दिस्तान क्षेत्र में मौजूद

कुर्द संगठनों के ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ईरान के सरकारी टीवी चैनल प्रेस टीवी के अनुसार तेहरान ने ईरान विरोधी अलगाववादी ताकतों पर हमले किए हैं। स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक ईरानी मिसाइलें कुर्दिस्तान क्षेत्र के शहर सुलैमानिया तक पहुंचीं।

ईरान की आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने सेना के बयान के हवाले से बताया कि इराकी कुर्दिस्तान में क्रांति विरोधी कुर्द समूहों के मुख्यालय को तीन मिसाइलों से निशाना बनाया गया। इससे पहले बुधवार को ईरानी सेना ने इन समूहों के ठिकानों पर लगभग 30 ड्रोन से हमले करने की भी जानकारी दी थी। ये हमले उस समय हो रहे हैं जब अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल के दिनों में कई कुर्द नेताओं के संपर्क में रहे हैं। सीएनएन के अनुसार अमेरिकी अधिकारियों का उद्देश्य ईरान की सैन्य क्षमता को फैलाना और तेहरान की सत्ता संरचना को कमजोर करना है। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यदि कुर्द समूह उत्तरी ईरान में सक्रिय हो जाते हैं तो वहां एक ग्राउंड बफर जोन बनाया जा सकता है, जिससे इस्राइल को भी सामरिक लाभ मिल सकता है।अमेरिका और इजरायल ने युद्ध शुरू होने के बाद से ईरान-इराक सीमा के पास के इलाकों पर भारी बमबारी की है। अमेरिका स्थित थिंक टैंक सूफान सेंटर के अनुसार इन हमलों का एक उद्देश्य ईरान की सीमा रक्षा को कमजोर करना भी हो सकता है।

अमेरिकी संसद में ट्रंप की ईरान युद्ध नीति पर टकराव

युद्ध रोकने का प्रस्ताव मामूली अंतर से खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ युद्ध ने अमेरिका की राजनीति में बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर बहस और तेज होने की संभावना है। लेकिन पिछले दो दिनों में दो बार अमेरिकी संसद में इस युद्ध को रोकने के लिए पेश प्रस्ताव वोटिंग के बाद गिर गए हैं। अमेरिका में ट्रंप की ईरान युद्ध नीति पर टकराव तेज होने लगा है। अमेरिका में ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान को लेकर राजनीति तेज हो गई है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले रोकने के प्रस्ताव को बहुत कम अंतर से खारिज कर दिया। गुरुवार को हुए मतदान में प्रस्ताव के पक्ष में 212 वोट पड़े, जबकि 219 सांसदों ने इसके खिलाफ मतदान किया। अगर यह प्रस्ताव पास हो जाता, तो ट्रंप प्रशासन को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई रोकनी पड़ती, जब तक कि कांग्रेस इसकी अनुमति न देती। यह लगातार दूसरा दिन है जब अमेरिकी संसद में ऐसा प्रस्ताव गिरा है। इससे पहले सीनेट में भी इसी तरह का प्रस्ताव 47-53 मतों से खारिज हो चुका है। इस वोटिंग से साफ हो गया कि अमेरिका में ईरान युद्ध को लेकर सांसदों के बीच मतभेद गहरे हैं। कई

सांसदों का कहना है कि संविधान के अनुसार युद्ध का फैसला करने का अधिकार केवल कांग्रेस के पास है, न कि राष्ट्रपति के पास। विदेश मामलों की समिति के वरिष्ठ डेमोक्रेट सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप राजा नहीं हैं। अगर उन्हें लगता है कि ईरान से युद्ध अमेरिका के हित में है, तो उन्हें पहले कांग्रेस के सामने आकर इसकी जरूरत साबित करनी चाहिए।

अमेरिका की सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के अधिकतर सांसद ट्रंप के फैसले का समर्थन कर रहे हैं। उनका कहना है कि ईरान लंबे समय से पश्चिमी देशों के लिए खतरा बना हुआ था और यह सैन्य कार्रवाई उस खतरे को खत्म करने की कोशिश है। रिपब्लिकन सांसद ब्रायन मस्ट ने कहा कि राष्ट्रपति अपने संवैधानिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए अमेरिका को तत्काल खतरे से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उनका कहना है कि युद्ध रोकने का प्रस्ताव राष्ट्रपति से कुछ न करने की मांग जैसा था। वहीं डेमोक्रेट पार्टी के कई नेताओं ने ट्रंप के फैसले की आलोचना की है। उनका कहना है कि यह एक चुनाव का युद्ध है, जिसे बिना कांग्रेस की अनुमति के शुरू किया गया। डेमोक्रेट सांसद जेमी रास्किन ने कहा कि संविधान साफ कहता है कि युद्ध का फैसला कांग्रेस करेगी। उनके मुताबिक अमेरिका को इतने बड़े फैसले से पहले व्यापक बहस और पारदर्शिता की जरूरत थी।

ईरान युद्ध के चलते अमेरिका में चिंता भी बढ़ रही है। कुवैत में ईरानी ड्रोन हमले में 6 अमेरिकी सैनिकों की मौतहो चुकी है। इसके अलावा मध्य पूर्व में रह रहे हजारों अमेरिकी नागरिक वहां से निकलने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी स्वीकार किया है कि इस युद्ध में आगे और अमेरिकी सैनिकों की जान जा सकती है।

मोटोरोला एज 70 फ्यूज़न लॉन्च

मोटोरोला, मोबाइल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में ग्लोबल लीडर तथा भारत के प्रमुख AI स्मार्टफोन ब्रांड, ने आज मिड–प्रीमियम स्मार्टफोन सेगमेंट में मोटोरोला एज 70 फ्यूज़न लॉन्च किया। इस डिवाइस में कैमरा में महत्वपूर्ण इनोवेशन, शानदार विजुअल्स और नेक्स्ट–जेन ऑन–डिवाइस्ढ्व को पेश किया गया है। यह दुनिया का पहला 50MP सोनी–LYT 710 कैमरा motoAI के साथ लाता है, जो बेहतरीन लो–लाइट क्लैरिटी, बिना ब्लर के शॉट्स, 100% ट्रू कलर्स और पैंटोन™ द्वारा वैलिडेटेड स्किन टोन्स, साथ ही सभी लेंस पर 4K वीडियो रिकॉर्डिंग देता है। इसमें ऑल–न्यू डिजाइन के साथ ही पैंटोन™ क्यूरेटेड कलर्स में लग्ज़री फैब्रिक फिनिश, भारत का एकमात्र 144Hz 1.5K ट्रू कलरट्ट क्वाड–कर्व्ड पैंटोनङ्ग वैलिडेटेड डिस्प्ले दिया गया है। 7000mAh सिलिकॉन–कार्बन बैटरी, 68W टर्बोपावर™ चार्जिंग, स्नैपड्रैगन® 7s Gen 4 पावर और IP68 + IP69 तथा MIL-STD–810H ड्यूरेबिलिटी के साथ, मोटोरोला edge 70 fusion सेगमेंट में स्मार्टफोन का शानदार अनुभव देता है। मोटोरोला edge 70 fusion ने इमेजिंग में नया बेंचमार्क सेट किया है—दुनिया का पहला 50MP सोनी LYTIA™ 710 कैमरा motoAI से पावर्ड है। OIS और एडवांस्ड f/1.8 अपर्चर के साथ नया LYTIA™ 710 सेंसर असाधारण क्लैरिटी, बेहतर सिग्नल–टू–नॉइज परफॉर्मेंस और लो–लाइट में शानदार रिजल्ट्स देता है—ब्राइटर हाइलाइट्स और डीपर शैडोज के साथ। motoAI रियल–टाइम में टेक्सचर्स, डायनामिक रेंज और मोशन डिटेक्शन को बेहतर बनाता है, जिससे तेज मूविंग सीन में भी क्रिस्प, बिना ब्लर के कैप्चर्स मिलते हैं। पैंटोन™ वैलिडेटेड कलर्स और पैंटोन™ स्किनटोन™ वैलिडेशन के साथ कैमरा क्रिएटर्स की इच्छा मुताबिक सटीक, ट्रू–टू–लाइफ कलर्स और नैचुरल स्किन टोन्स को बिल्कुल वैसा ही रिप्रोड्यूस करता है।

ट्रंप के व्हाइट हाउस बॉलरूम प्रोजेक्ट का भारी विरोध

समीक्षा समिति पर फूटा जनता का गुस्सा

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में बॉलरूम बनाने के प्लान पर जमकर हंगामा हुआ। इस प्रोजेक्ट का रिव्यू करने वाले एक सरकारी पैनल (नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन) को गुरुवार को जनता के विरोध का सामना करना पडा। मीटिंग में शामिल होने वाले लगभग सभी लोगों ने इस प्रोजेक्ट की आलोचना की और इसे बहुत

बढ़ा और बेकार बताया। मार्च की इस मीटिंग में पहले दो घंटों के दौरान 28 लोगों ने अपनी बात रखी। इनमें से सिर्फ एक व्यक्ति ने प्रोजेक्ट का समर्थन किया, जबकि बाकी सब इसके खिलाफ थे। एक आम नागरिक काई रोवन ने इसे भद्दा और जरूरत से ज्यादा बढ़ा बताया। इलिनोइस की पूर्व मेयर डायने मार्लिन ने कमीशन से अपील की कि वे इस पर फिर से विचार करें। उन्होंने कहा कि इसे सही करने के लिए और समय लेना चाहिए। यह पैसा अमीर लोगों और बड़ी कंपनियों से दान के रूप में लिया जाए। इसी बात पर सबसे ज्यादा विवाद है। भ्रष्टाचार विरोधी संस्था कॉमन कॉज की एबिगेल बेलोज ने सवाल उठाया कि ये डोनर्स लाखों डॉलर बिना किसी फायदे के क्यों देंगे? उन्होंने आशंका जताई कि इसके बदले में डोनर्स सरकार से कुछ उम्मीद रख सकते हैं।

पश्चिम एशिया युद्ध- बढ़ते हमलों के बीच देवदूत बनीं भारतीय नर्सें

कुवैत, एजेंसी। पश्चिम एशिया के संघर्ष के बीच भी भारतीय नर्सों का समर्पण अडिग है। अल जाहरा के 53एष्ट तापमान वाले इलाके में जैसमीन थॉमस और साथी नर्सें धमाकों और मिसाइलों के बीच क्लिनिक में मरीजों की देखभाल करती रहीं। खतरे और कर्तव्य के बीच संतुलन बनाते हुए उन्होंने साहस और जिम्मेदारी की मिसाल पेश की, जो भारतीय नर्सों की अलग पहचान बनाती है। पश्चिम एशिया में ज्यादातर देशों में संघर्ष का साया छाया हुआ लेकिन ऐसे समय में भी भारतीय नर्सों की सेवा और समर्पण में कोई कमी नहीं आई है। इनका काम राजनीतिक या सैन्य तनाव के बावजूद हमेशा की तरह बदस्तूर जारी है। 1990 के दशक का कुवैत युद्ध हो, 2003 का इराक युद्ध, सीरिया या मिस्र के गृह युद्ध

या पश्चिम एशिया में जारी मौजूदा संघर्ष, भारतीय नर्सें हमेशा देवदूत बनकर अपना कर्तव्य निभाती रही हैं। इस जगह को धरती पर सबसे गर्म जगहों में एक माना जाता है और यहां का तापमान 53 डिग्री सेल्सियस से भी अधिक हो जाता है। केरल की एक नर्स जैसमीन थॉमस (बदला हुआ नाम) अपने भारतीय साथियों के साथ अल जाहरा के एक छोटे से क्लिनिक में आम दिनों की तरह काम कर रही थी। कुछ ही घंटों बाद क्लिनिक के ऊपर आसमान में मिसाइलें और ड्रोन उड़ते नजर आने लगे। देखते-देखते रुक-रुक कर धमाके होने लगे। धमाकों की तीव्रता बढ़ने पर जैसमीन और उनके साथी भागकर अपने हॉस्टल में शरण लेते हैं। हॉस्टल में वे सब हालात के सामान्य होने का इंतजार करते रहे। कर्तव्य और अपनी सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने की मशक्कत करते हुए जैसमीन और उनके साथी सोमवार को फिर से अपने काम पर लौट आएं लेकिन इस बार क्लिनिक में वे सब थे लेकिन मरीज नहीं। यह घटना भारतीय नर्सों के साहस, धैर्य और जिम्मेदारी को दिखाता है। ये ऐसी विशेषता है जो इस क्षेत्र में काम करने वाली भारतीय नर्सों को अन्य लोगों से अलग पहचान दिलाती है। अमीरात में कार्यरत एक भारतीय स्वास्थ्यकर्मी ने कहा कि हमें बीच-बीच में चेतावनी सायरन सुनाई देते हैं लेकिन इसके अलावा अभी कोई खतरा महसूस नहीं हुआ है। अस्पताल सामान्य तरीके से काम कर रहे हैं। सरकार हमलों को रोक रही है। कुवैत में कार्यरत एक नर्स ने भी यही बात कही और कहा कि अभी भारतीय प्रवासियों के लिए चिंता की कोई वजह नहीं है। कई लोगों के लिए, मैसेज एक जैसा है। सऊदी अरब में कार्यरत एक अन्य नर्स ने कहा कि हम पूरी तरह से सुरक्षित हैं। मीडिया के कुछ हिस्सों में जैसा दिखाया जा रहा है, उसके उलट। ड्रोन हमले हो रहे हैं, लेकिन देश अपना बचाव कर रहा है और हमारी सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा है। एक अनुमान के मुताबिक, इस इलाके में 4,00,000 से 5,00,000 भारतीय नर्सें काम कर रही हैं। गैर-निवासी केरलवासियों की शिकायतों के समाधान के लिए राज्य की नोडल एजेंसी एनओआरकेए रूट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजीत कोलासेरी ने बताया कि सरकार को राज्य की एक नर्स के जंग प्रभावित ईरान में फंसे होने की सूचना मिली थी।

विश्वकप फाइनल के लिए मैच अधिकारियों का एलान

भारत-न्यूजीलैंड के बीच होगी खिताबी टक्कर

अहमदाबाद। आईसीसी ने भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल मुकाबले के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल मुकाबले के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह खिताबी मुकाबला रविवार यानी आठ मार्च को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

आईसीसी ने की मैच अधिकारियों की घोषणा

आईसीसी के एमिरेट्स एलीट पैनल के इंग्लैंड के रिचर्ड इलिंगवर्थ और एलेक्स व्हार्फ फाइनल मुकाबले में ऑन-फील्ड अंपायर की भूमिका निभाएंगे। रिचर्ड इलिंगवर्थ लगातार दूसरी बार पुरुष टी20 विश्व कप फाइनल में अंपायरिंग करते नजर आएंगे। इससे पहले उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप के फाइनल में क्रिस गैफनी के साथ अंपायरिंग की थी। इलिंगवर्थ पिछले कुछ वर्षों में आईसीसी के बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में भी अंपायरिंग कर चुके हैं। उन्होंने 2023 वनडे विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल मुकाबलों में भी अंपायर की जिम्मेदारी निभाई थी। वहीं एलेक्स व्हार्फ इससे पहले 2022 महिला क्रिकेट विश्व कप और 2023 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में अंपायरिंग कर चुके हैं। उन्हें पिछले साल एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ अंपायर्स में शामिल किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि इलिंगवर्थ और व्हार्फ ने हाल ही में कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए सेमीफाइनल में भी साथ अंपायरिंग की थी, जहां न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

अल्लाहुद्दीन पालेकर को थर्ड

फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के अंपायर नियुक्त किया गया है। 48 वर्षीय पालेकर को मार्च 2025 में एलेक्स व्हार्फ के साथ आईसीसी एलीट पैनल में शामिल किया गया था और उन्होंने इस टूर्नामेंट में अब तक छह मैचों में अंपायरिंग की है। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के एड्रियन होल्डस्टॉक चौथे अंपायर की भूमिका निभाएंगे, जबकि एंडी पाइक्रॉफ्ट मैच रेफरी की जिम्मेदारी संभालेंगे।

एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में लवलीना और निकहत से रहेंगी पदकों की उम्मीद

नई दिल्ली। 28 मार्च से 11 अप्रैल तक मंगोलिया में होने वाली एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में 20 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और विश्व चैंपियन रही निकहत ज़रीन करेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने कड़ी चयन प्रणाली के आधार पर इस चैम्पियनशिप के लिए अपनी टीम का चयन किया है। एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप के लिए चयनित किये गये संभावित खिलाड़ियों को पटियाला में चल रहे राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया गया था। एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने वाले मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में अवसर मिलेगा। इस कारण इस चैंपियनशिप का महत्व और बढ़ गया है। लवलीना को 75 किग्रा वर्ग में महिला टीम के नेतृत्व की जिम्मेदारी मिली है। स्पेन में स्वर्ण जीतने वाली प्रीति 54 किग्रा, अरुंधति चौधरी 70 किग्रा और प्रिया 60 किग्रा को भी शामिल किया गया है। विश्व चैंपियन मीनाक्षी 48 किग्रा और जैस्मीन 57 किग्रा भी टीम का हिस्सा हैं। महिला वर्ग में निकहत ज़रीन 51 किग्रा में अगुवाई करेंगी। उनके साथ अंकुशिता बोरो 65 किग्रा, पूजा रानी 80 किग्रा, अल्फिया तरन्नुम अकरम खान पठान 80 किग्रा रहेंगी। भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने को उम्मीद है कि भारतीय खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगी।

ब्रीफ न्यूज

आईपीएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान पर उतरेगी आरसीबी : प्रसाद

मुम्बई । गत विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीलएल की तैयारियों के लिए 15 मार्च को अपने घरेलू मैदान एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में उतरेगी। अभी राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) इस स्टेडियम में सभी तैयारियों को पूरा करने के इंतजाम कर रहा है। केएससीए के अध्यक्ष वेंकटेश प्रसाद को उम्मीद है कि 15 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम के एकत्रित होने से पहले एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में सभी जरुरी इंतजाम पूरे कर लिए जाएंगे। आरसीबी ने इससे पहले कहा था कि वह आईपीए 2026 के शुरुआती मैच सहित पांच लीग मैच इस स्टेडियम में खेलेगी जिसके साथ ही घरेलू मैदानों को लेकर जारी संदेश दूर हो गया था। प्रसाद ने कहा, ''हां, अब भी स्टेडियम में कुछ काम बचा हैं और जहां तक ?हमारा सवाल है यह तय समय सीमा के अंदर पूरा हो जाएगा जो हमने महेश्वर राव की अध्यक्षता वाली (राज्य द्वारा नियुक्त) विशेषज्ञ समिति को दी है।'' उन्होंने कहा, ''हमने उन्हें जितना हो सका उतना संतुष्ट कर दिया है ।गौरतलब है कि पिछले साल आरसीबी के आईपीएल खिताब जीतने के बाद हुए समारोह में हुड़दंग मचने के बाद से ही चिन्नास्वामी स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे ।इस कारण इसमें मैचों के आयोजन पर भी रोक लगा दी गयी थी जो अब हटा दी गयी है।

सिद्धू ने पाक क्रिकेटर आमिर पर कसा तंज, झूठी भविष्यवाणियों से कुछ नहीं होता

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने भारतीय टीम के टी20 विश्वकप फाइनल में पहुंचने के बाद पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज मोहम्मद आमिर पर निशाना साधते हुए उन्हें ढोंगी बाबा कहा है। सिद्धू ने आमिर की भविष्यवाणियों का मजाक उड़ाते हुए कहा है कि भीख में सिंहासन नहीं मिलता इसके लिए मैदान में प्रदर्शन करना पड़ता है। इससे पहले आमिर ने एक टीवी शो में कहा था कि भारतीय टीम सेमीफाइनल हार जाएगी क्योंकि उसके खेल में कई जगह पर कमियां हैं पर वह गलत निकली हैं। भारतीय टीम इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में हराकर फाइनल में पहुंची है।

सिद्धू ने वीडियो में सिद्धू आमिर की बार-बार की गई भविष्यवाणियों की आलोचना करते हुए कहा है कि उनकी सभी बातें गलत रही हैं। आमिर ने कहा था कि भारत टूर्नामेंट में आगे नहीं बढ़ पाएगा। साथ ही कहा कि हमारे आसपास के लोगों को झूठी भविष्यवाणी करने की बहुत आदत है। अगर सही हो जाए तो ठीक, नहीं तो उसे नजरअंदाज कर देते हैं। अगर सही हो जाए तो कहते हैं तीर चल गया, नहीं तो कहते हैं अंदाजा था और फिर अपने को ज्ञानी समझते हैं। हाथ ही कहा कि ऐसे लोग सिर्फ ढोंगी बाबा हैं। पहले कहा कि भारत क्वालीफाई नहीं करेगा, सेमीफाइनल में नहीं पहुंचेगा और वेस्टइंडीज व दक्षिण अफ्रीका जीतेंगे पर दोनो ही टीमें हार गयीं। इसके बाद इंग्लैंड भी बाहर हो गयी। उन्होंने आमिर पर तंज कसा कि खाली बर्तन सबसे ज्यादा आवाज करते हैं। यही बात है।'

ईरान के फीफा विश्वकप में भाग लेने की संभावना नहीं

इराक या यूएई को मिल सकता है अवसर

लास एंजिल्स। अमेरिका और इजरायल से जारी संघर्ष को देखते ईरान का आगामी फीफा विश्व कप फुटबॉल से हटना तय है। ईरान को विश्व कप के ग्रुप जी चरण में रखा गया है और उसके तीनों ही मैच अमेरिका में होने हैं और अभी के हालातों कों देखते हुए ये संभव नहीं है कि ईरान अपनी टीम भेजे। उसके मैच कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ रखे गये हैं। इसके बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मुकाबला खेलना है। विश्व कप का कार्यक्रम जब बना था तब हालात अलग थे पर जिस प्रकार से अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमले किये है और जवाबी कार्रवाई में ईरान ने भी इजरायल और खाड़ी में अमेरिकी ठिकाने को निशाना बनाया है उससे हालात काफी खराब हो गये हैं। एशियाई फुटबॉल महासंघ के उपाध्यक्ष और ईरान के शीर्ष फुटबॉल अधिकारी मेहदी ताज ने कहा, ''निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने की उम्मीद नहीं कर सकते।'' अभी यह तय नहीं है कि ईरान 11 जून से शुरू होने वाले विश्व कप के लिए अपनी टीम भेजेगा या नहीं या अमेरिका की सरकार उसकी टीम को अपने यहां आने की अनुमति देती है या नहीं। फीफा ने अभी तक मामले पर कोई बयन नहीं दिया है। ईरान ने पिछले आठ विश्व कप में से छह के लिए क्वालीफाई किया है। वह 211 टीमों की फीफा विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर है। अगर ईरान विश्व कप से हट जाता है तो उसके फुटबॉल महासंघ को कम से कम 10.5 मिलियन डॉलर का नुकसान होगा। इसके अलावा उस पर जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यदि ईरान विश्व कप से हटता है तो एशिया से उसके संभावित विकल्प इराक या यूएई को शामिल कर सकता है। इराक और यूएई एशियाई क्वालीफाइंग में नौवें और दसवें स्थान पर रहे थे।इराक ने प्लेऑफ में यूएई को हरा दिया था और अब विश्व कप में जगह बनाने के लिए उसे 31 मार्च को बोलीविया या सूरीनाम के खिलाफ मैच में खेलना है। इस मैच में जीत से वह विश्व कप में खेल सकेगा।

भारत-इंग्लैंड मैच में धोनी रहे आकर्षण का केन्द्र

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां हुए दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को हराकर टी20 विश्वकप के फाइनल में पहुंच गयी है। जहां अब उसका मुकाबला रविवार को न्यूजीलैंड से होगा। भारतीय टीम का गत दिवस इंग्लैंड से हुआ सेमीफाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और इसमें भारतीय टीम 7 रनों से जीत हासिल करने में सफल रही। सेमीफाइनल मुकाबले में पूर्व भारतीय कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी स्टेडियम में उपस्थित थे और ऐसे में वह सभी के आकर्षण का केन्द्र रहे। भारतीय टीम की जीत के साथ ही सोशल मीडिया पर 'थाला फॉर अ रीजन' की वायरल फ्रेज सोशल मीडिया में आने लगी।

गौरततब है कि धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में थाला के नाम से जाना जाता है। उनकी जर्सी सात भी इसके बाद प्रशंसकों के बीच चर्चा का विषय रही। ऐसे में भारतीय टीम की जीत के साथ ही सोशल मीडिया पर धोनी की मौजूदगी को जीत का कारण बताते हुए पोस्ट की बाढ़ आ गई। कई यूजर्स ने 'थाला फॉर अ रीजन' फ्रेज को बार-बार दोहराया, जो रातभर ट्रेंड करता रहा।

भारतीय टीम की इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में जो जीत के दौरान नंबर 7 का संयोग सुखद रहा। भारतीय टीम ने 7 विकेट खोकर 253 रन बनाए। इंग्लैंड की टीम भी 7 विकेट पर 246 रन बनाने में सफल रही। भारतीय टीम 7 रन से जीती। इस मैच में भारतीय टीम की ओर से संजू सैमसन ने 7 छक्के लगाये। इंग्लैंड के लिए शतक लगाने वाले जैकब बेथल ने भी 7 छक्के लगाये।

धोनी की जर्सी नंबर और इस फ्रेज को लेकर पिछले कुछ सालों में कई मीम्स वायरल हुए हैं, जो आम तौर पर क्रिकेट या अन्य संदर्भों में नंबर सात के दिखने पर सामने आते हैं। धोनी ने स्वयं साल 2024 में एक वीडियो में इस ट्रेंड पर बात करते हुए माना था कि उन्हें इसके बारे में पता है, लेकिन इसकी शुरुआत का कारण पूरी तरह नहीं समझते। उन्होंने कहा 'मुझे पता है, लेकिन मुझे इसके पीछे की वजह नहीं पता।'

8 से 14 मार्च तक खेले जाएंगे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर

हैदराबाद । एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर 8 से 14 मार्च तक खेले जाएंगे। इसके लिए टीमों का भारत आने का सिलसिला शुरु हो गया है। इसी के तहत ही सबसे पहले इटली की टीम हैदराबाद, तेलंगाना पहुंच गयी है। आठ से 14 मार्च तक होने वाले इस टूर्नामेंट में आठ देश मुकाबला करेंगे। इस टूर्नामेंट में आठ देशों शामिल रहेंगे। इसमें इटली को पूल ए में जगह मिली है। इसमें उसका सामना इंग्लैंड, कोरिया और ऑस्ट्रिया से होगा। इटली ने पहले दो बार एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया था। उसने पहली बार 1976 में और 2018 में क्वालीफाई किया था। तब वह नौवें स्थान पर रही थी।

इस बार इटली अपना पहला मुकाबला 8 मार्च को इंग्लैंड से खेलेगी। इसके बाद 9 और 11 मार्च को ऑस्ट्रिया और कोरिया से उसके मैच हैं। इटली की महिला टीम की कप्तान, सारा पुग्लिसी ने कहा, हम अच्छी तैयारी के बाद यहां हैदराबाद पहुंचे हैं। हम एफआईएच हॉकी विश्व कप के लिए क्वालिफ़ाई मुकाबालों की तैयारी से आये हैं।

फॉर्मूला वन ऑस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स के कार्यक्रम में बदलाव नहीं : औल्ड

मेलबर्न। खाड़ी में जारी संघर्ष के बाद भी फॉर्मूला वन ऑस्ट्रेलियन ग्रैंड प्रिक्स का आयोजन तय समय पर ही किया जाएगा। इसकी अभ्यास रेस 6 मार्च से शुरु होगी। वहीं मुख्य रेस 8 मार्च को होगी। ऑस्ट्रेलियाई ग्रैंड प्रिक्स कॉर्पोरेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ट्रैविस औल्ड ने कहा है कि अधिकारियों, टीम सदस्यों और ड्राइवरों पर इस संघर्ष का कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ा है। ऐसे में सत्र की इस पहली रेस के कार्यक्र में बदलाव नहीं होगा। औल्ड ने माना है कि ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के करण बड़े स्तर पर उड़ानों के रद्द होने से कुछ टीमों को अपनी यात्रा योजनाएं बदलनी पड़ी हैं। इसी को देखते हुए कि फॉर्मूला वन टीम के अधिकारी इस प्रयास में लगे हैं कि ड्राइवर और टीम के लोग वैकल्पिक रास्तों से सुरक्षित रुप से मेलबर्न पहुंच सकें। औल्ड ने कहा, हर कोई रेस के लिए यहां आने तैयार है , इससे प्रशंसकों को तय कार्यक्रम के अनुसार ही रेस देखने को मिलेगी जो उनके लिए भी राहत की बात है । उन्होंने कहा, कुछ ड्राइवर और कुछ टीम सदस्य पहले से ही ऑस्ट्रेलिया में हैं पर ब्रिटेन और यूरोप से कई सदस्यों को आना है जिसमें रेसर भी शामिल हैं। ऐसे में इन्हें कोई अन्य वैकल्पिक रास्ता देखना होगा। मुझे भरोसा है कि वे लोग भी इस बारे में विचार कर रहे होंगे। वहीं स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार दो हजार एफ वन कर्मचारियों को पश्चिम एशिया में फंसने से बचने के लिए यूरोप से मेलबर्न के लिए अपनी उड़ानों को फिर से पुर्नप्रबंधित करना होगा। फार्मुला वन करीब 500 स्टाफर्स को तीन विशेष उड़ानो से लाने का प्रयास कर रहा है।

लंदन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलती हुई टोटेनहम और क्रिस्टल की टीमें।

कुछ दिन अकेले रहना चाहता था, ऑटोग्राफ न देने पर फैंस से माफी मांगी

खराब चेस फॉर्म पर बोले डी गुकेश

मुंबई। प्राग इंटरनेशनल चेस फेस्टिवल 2026 के सातवें राउंड में भारत के वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश ने ईरान के परहम मगसूदलू के खिलाफ ड्रॉ खेला।

गुकेश प्राग में अब तक एक भी मुकाबला नहीं जीत पाए हैं। उन्होंने तीन मैच हारे और चार ड्रॉ खेले हैं। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन के लिए यह टूर्नामेंट काफी कठिन रहा है।

गुकेश ने फैंस से माफी मांगी

सातवें राउंड के बाद गुकेश ने फैंस से माफी मांगी और खराब प्रदर्शन को इसकी वजह बताया। मैच के बाद ग्रैंडमास्टर केटी त्सात्सालाशविली से बातचीत में उन्होंने कहा कि वे रोज आने वाले फैंस की सराहना करते हैं, लेकिन कुछ दिनों वे अकेले रहना चाहते थे। उन्होंने कहा कि आमतौर पर वे मैच के बाद ऑटोग्राफ और फोटो देते हैं, लेकिन यहां उनका मूड ठीक नहीं रहा, इसके लिए वे माफी चाहते हैं। हालांकि फैंस का समर्थन उनके लिए बहुत मायने रखता है।

माता-पिता बड़ा सहारा हैं

अपने फॉर्म पर गुकेश ने माना कि वे अच्छा नहीं खेल पाए और मिले मौकों का फायदा नहीं उठा सके। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए खराब टूर्नामेंट रहा। गुकेश ने बताया कि वे कोच ग्रजेगोरज गाजेव्स्की के साथ प्राग आए हैं और मेंटल कंडीशनिंग कोच पैडी अप्टन के साथ काम जारी है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम और खासकर माता-पिता उनका बड़ा सहारा हैं।

मुश्किल स्थिति में टिके रहना उनकी ताकत रही

त्सात्सालाशविली ने कहा कि साथी कमेंटेटर और क्रोएशियाई खिलाड़ी अलोजिजे जानकोविच अक्सर गुकेश को बेहतरीन डिफेंसिव खिलाड़ियों में गिनते हैं। इस पर गुकेश ने कहा कि मुश्किल स्थिति में टिके रहना उनकी ताकत रही है, लेकिन इस टूर्नामेंट में कुछ भी उनके पक्ष में काम नहीं आया।

लाइव चेस रैंकिंग में गुकेश 20वें स्थान पर पहुंच गए

वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश को प्राग इंटरनेशनल चेस फेस्टिवल 2026 में भारतीय ग्रैंडमास्टर अरविंद चिदंबरम से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद लाइव चेस रैंकिंग में गुकेश 20वें स्थान पर पहुंच गए। वे टूर्नामेंट में आखिरी नंबर पर चल रहे हैं।

219 बटालियन सी.आर.पी.एफने किया सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन

कांकेर/मूक पत्रिका

219 बटालियन सी.आर.पी.एफ समय-समय पर सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन करती रही है। बीते शनिवार को राजेश पांडे, डी.आई.जी. (पी), कोंटा रेंज, सी.आर.पी.एफ के मार्गदर्शन तथा पार्थ सारथी घोष, कमाण्डेंट, 219 बटालियन के निर्देशन में 219 बटालियन के गोरखा कैम्प में सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन अनुराग राज (द्वितीय कमान अधिकारी), डॉ. मोहम्मद इब्राहिम (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/ उप. कमाण्डेंट), कानाराम चौधरी (सहा. कमाण्डेंट) एवं विजय कुमार यादव, (सहा. कमाण्डेंट) की उपस्थिति में किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों में सुरक्षा का भाव उत्पन्न करना, केंद्र तथा राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी विकास एवं लाभकारी योजनाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाना है। साथ ही ग्रामीणों एवं प्रशासन के बीच आपसी समन्वय स्थापित करना है। कार्यक्रम में गोरखा कैम्प के आस-पास के गांव के सरपंचों के साथ लगभग 200 ग्रामीणों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। आज के कार्यक्रम मे ग्रामीणों को साईकिल, मच्छरदानी, बर्तन, सौर लालटेन, महिलाओ को साड़ी, बुजुर्गो को कम्बल तथ लुंगी, युवाओं को खेल सामग्री तथा पढ़ाई सामग्री दिया गया। डॉ. मोहम्मद इब्राहिम (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/ उप. कमाण्डेंट), 219 बटालियन और उनकी चिकित्सा टीम के द्वारा ग्रामीणों विशेषकर बुजुर्गो, बच्चों एवं महिलाओं का उचित ईलाज कर आवश्यक दवाईयों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर विजय कुमार यादव, सहा0 कमा0. 219 बटालियन ने सभी ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सी.आर.पी.एफ सभी ग्राम व निवासियों की सुरक्षा, सम्मान, सहायता एवं सहयोग के लिए प्रतिबद्ध एवं प्रयासरत है। सी.आर.पी.एफ, स्थानीय प्रशासन एवं राज्य सरकार नए सुरक्षा कैम्प, जन सुविधा केन्द्र, सड़क, बिजली, पानी आदि उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है, जिससे प्रत्येक आदिवासी का व्यक्तिगत एवं सामाजिक विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया है कि भविष्य में उन्हें किसी भी तरह की परेशानी होने पर सी.आर.पी.एफ हमेशा उनके साथ खड़ी हैं। साथ ही आह्वान किया कि वे नक्सलियों के बहकावे में ना आयें, अपने बच्चों के अच्छे भविष्य के लिए शिक्षा दिलायें, केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं का भरपूर लाभ उठायें व एकजुट होकर क्षेत्र, देश के अग्रणी विकास में भागीदार बने। प्रोग्राम के अंत में सभी ग्रामीणों को भोजन कराया गया।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला शक्ति के सम्मान में सजा मंच, प्रतियोगिता व लोकनृत्य से सजी सांस्कृतिक संध्या

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर /कांकेर। कांकेर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत नरहरपुर क्षेत्र क्रमांक 07 अंतर्गत ग्राम चवांड़ में प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की महिलाओं, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक आशाराम नेताम रहे, जबकि अध्यक्षता सरपंच खमन कांगे ने की। इस अवसर पर कई जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें

महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान पारंपरिक लोकनृत्य व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं के बिना समाज का विकास संभव नहीं है और महिलाओं के सम्मान व सशक्तिकरण के लिए समाज को आगे आना चाहिए। इस अवसर पर क्षेत्र की महिलाओं को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन जनपद पंचायत नरहरपुर क्षेत्र क्रमांक 07 के अंतर्गत ग्राम पंचायत चवांड़ व जुनवानी, ढेकुना, कुरना के उपसरपंच, पंचगण, ग्राम गायता, कोटवार ग्राम समिति एवं समस्त ग्रामवासीयों द्वारा ग्रामवासियों के सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम की मुख्य आयोजक कर्ता शिल्पा साहू सदस्य जनपद पंचायत नरहरपुर रहीं, जिनके मार्गदर्शन से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

8 मार्च को होगी मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग के भर्ती की लिखित परीक्षा

सारंगढ़-बिलाईगढ़। राज्य के मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग के विभिन्न पदों की भर्ती का लिखित परीक्षा 8 मार्च रविवार को निर्धारित है। संबंधित अभ्यर्थी सीजी व्यापम की वेबसाईट से प्रवेश पत्र डाऊनलोड कर सकते हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने मनायी जनता के साथ होली

बेमेतरा/मूक पत्रिका

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं बेमेतरा के पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने अपने कार्यालय में बेमेतरा के नागरिकों तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ में होली खेलने का आनंद लिया पूर्व विधायक के कार्यालय में फाग गीतों के लिए ढोल नगाड़े बजाकर फाग गीतों का आनंद लिया गया इस अवसर पर पूर्व विधायक ने आगुंतकों को रंग गुलाल लगाकर त्यौहार की बधाइयां दी तथा आम नागरिकों से रंगलाल लगवाकर उनकी बधाइयां स्वीकार की इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि होली का पर्व हम सबके जीवन में रंग और उल्लास

तथा आपसी भाईचारे एवं सौहार्दता का पर्व है होली के माध्यम से हम अपने मित्र गणों यहां तक की दुश्मनों को भी गले लगाकर रंग गुलाल लगाते हैं और यह पर्व बहुत ही उल्लास के साथ अपनी धार्मिक परंपराओं के अनुरूप हम सभी मानते हैं होली का यह पर्व सभी के जीवन में खुशियां लेकर आए ऐसी कामना में करता हूं इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में जनमानस उपस्थित रहे ।

लखपति दीदी योजना से आत्मनिर्भर बनीं यशोदा मरकाम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जताया आभार, बिहान से जुड़कर बढ़ी आय

बेमेतरा/मूक पत्रिका

महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संचालित लखपति दीदी योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इसी योजना का लाभ लेकर यशोदा मरकाम आज आत्मनिर्भर बन चुकी हैं और उनकी सफलता अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही है। यशोदा मरकाम ÷जय मां शक्ति स्व-सहायता समूह÷ से जुड़ी हुई हैं। पहले उनके परिवार की आय सीमित थी, जिससे घर की आवश्यकताओं को पूरा करना कठिन हो जाता था। लेकिन स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें नई दिशा मिली और उन्होंने अपने जीवन में बदलाव लाने का संकल्प लिया। लखपति दीदी

योजना के तहत यशोदा मरकाम ने 5 लाख रुपए का ऋण प्राप्त किया। इस राशि का उपयोग उन्होंने अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने और आय के नए साधन विकसित करने में किया। उनकी मेहनत और लगन के कारण आज उनका काम अच्छी तरह से चल रहा है। आज यशोदा मरकाम की वार्षिक आय लगभग 1 लाख 50 हजार से 2 लाख रुपए तक पहुंच चुकी है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और वे अपने बच्चों की पढ़ाई तथा परिवार की अन्य जरूरतों को भी आसानी से पूरा कर पा रही हैं। यशोदा मरकाम इस उपलब्धि का श्रेय शासन की योजनाओं को देते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी का आभार व्यक्त करती हैं। उनका कहना है कि सरकार की इस योजना ने उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया है और अब वे अपने पैरों पर खड़ी होकर परिवार का सहयोग कर पा रही हैं। यशोदा मरकाम की यह सफलता दर्शाती है कि यदि महिलाओं को सही अवसर और मार्गदर्शन मिले तो वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकती हैं, बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उनकी यह प्रेरक कहानी अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही है।

खुडमुड़ी स्कूल में शिक्षक ने जन्मदिन पर कराया न्यौता भोज

बेमेतरा/खुडमुड़ी/मूक पत्रिका

शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला खुडमुड़ी में पदस्थ शिक्षक देवेंद्र साहू ने अपने जन्मदिन के अवसर पर स्कूल के बच्चों के लिए विशेष न्यौता भोज का आयोजन कराया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को प्रेमपूर्वक भोजन परोसा गया। न्योता भोज में बच्चों को खीर, पूड़ी, दाल, सब्जी और चावल परोसा गया। स्वादिष्ट भोजन पाकर बच्चों में खासा उत्साह और खुशी देखने को मिली। शिक्षक देवेंद्र साहू के इस सराहनीय पहल की विद्यालय परिवार एवं ग्रामीणों ने प्रशंसा की। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधान पाठक रामप्रसाद बघेल सहित जगन्नाथ ध्रुव, रामकुमार ध्रुव, गंगाराम साहू, किरण बंजारे, सतरूपा बनर्जी, नीलेश साहू एवं विद्यालय के अन्य शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने इस अवसर पर देवेंद्र साहू को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके इस प्रेरणादायक कार्य की सराहना की।

महतारी वंदन योजना से रामकली साहू के जीवन में आई नई रोशनी

24 किश्तों से मिली आर्थिक संबल, बढ़ा आत्मविश्वास और परिवार में आई खुशहाली

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इस योजना का लाभ पाकर ग्राम बैजलपुर की रहने वाली रामकली साहू के जीवन में भी सकारात्मक और प्रेरणादायक बदलाव आया है। रामकली साहू बताती हैं कि पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत मजबूत नहीं थी। घर के छोटे-छोटे खर्चों के लिए भी उन्हें कई बार दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। ऐसे में जब उन्हें महतारी वंदन योजना के बारे में जानकारी मिली और उनका नाम इस योजना में जुड़ा, तो उनके जीवन में एक नई उम्मीद जगी। योजना के तहत

हर माह मिलने वाली राशि ने रामकली के जीवन में आत्मविश्वास भर दिया है। अब तक उन्हें 24 किश्तों की राशि प्राप्त हो चुकी है, जिससे वे अपने परिवार की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा कर पा रही हैं। इस राशि से उन्होंने घर के जरूरी सामान खरीदे, बच्चों की पढ़ाई में सहयोग किया और दैनिक खर्चों में भी मदद मिली। रामकली कहती हैं कि पहले उन्हें लगता था कि वे परिवार के खर्चों में ज्यादा सहयोग नहीं कर पातीं, लेकिन अब जब हर महीने उनके खाते में योजना की राशि आती है, तो उन्हें गर्व होता है कि वे भी अपने परिवार की जिम्मेदारी निभा रही हैं। इससे उनके आत्मसम्मान और आत्मविश्वास में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। आज रामकली साहू के चेहरे पर संतोष और खुशी साफ दिखाई देती है। वे बताती हैं कि महतारी वंदन योजना ने न केवल उन्हें आर्थिक सहायता दी है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा भी दी है। रामकली साहू राज्य शासन और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहती हैं कि यह योजना प्रदेश की महिलाओं के लिए बहुत ही सराहनीय पहल है। इससे हजारों-लाखों महिलाओं को आर्थिक संबल मिल रहा है और वे अपने परिवार की खुशहाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभा पा रही हैं।

समूह से जुड़कर बदली संतोषी साहू की जिंदगी, मजदूरी छोड़ बनीं 'लखपति दीदी'

बेमेतरा/मूक पत्रिका

ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से जिले की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव की कई प्रेरक कहानियां सामने आ रही हैं। ऐसी ही एक मिसाल जिले के विकासखंड साजा के ग्राम पंचायत माटरा, संकुल तेंदुभाटा की रहने वाली संतोषी साहू हैं, जिन्होंने संघर्षों को पीछे छोड़ आज आत्मनिर्भरता की नई राह बना ली है। समूह से जुड़ने से पहले संतोषी साहू की आर्थिक स्थिति सामान्य थी। परिवार का भरण-पोषण करने के लिए उन्हें अपने परिवार के साथ गांव से बाहर शहरों में जाकर रोजी-मजदूरी करनी पड़ती थी। मेहनत के बावजूद आय सीमित होने के कारण परिवार का गुजारा करना मुश्किल होता था। वर्ष

2023 में संतोषी साहू महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ीं, जिसके बाद उनके जीवन में बदलाव की शुरुआत हुई। समूह के माध्यम से उन्हें रिवॉल्विंग फंड और सीआईएफ की राशि प्राप्त हुई। इस सहायता का सही उपयोग करते हुए उन्होंने सब्जी उत्पादन का कार्य प्रारंभ किया और अपनी उपज को बाजार तक पहुंचाने के लिए एक छोटा वाहन भी खरीदा, जिससे उन्हें सब्जियों को मंडी तक ले जाने में सुविधा होने लगी। इसके साथ ही संतोषी साहू ने बाड़ी विकास (किचन गार्डन) का कार्य भी शुरू किया और ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत एफएलसीआरपी का दायित्व मिलने से उनकी आय के नए स्रोत भी विकसित हुए। इन प्रयासों से उनकी आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार होता गया और अब उन्हें रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ता। आज संतोषी साहू न केवल स्वयं आत्मनिर्भर बन चुकी हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत कर रही हैं। उनकी यह सफलता की कहानी यह साबित करती है कि महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त कदम बढ़ा सकती हैं। संतोषी साहू की यह प्रेरक यात्रा आज क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए भी एक उदाहरण बन गई है, जो उन्हें आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित कर रही है।

तालाब का जीर्णोद्धार और तालाब का पानी खाली कर सफाई कराने के निर्देश

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने तुर्की तालाब का फिर किया अवलोकन

तालाब किनारे लाईट सुधारने और सफाई को निरंतर करने के निर्देश

पुलिस को तुर्की तालाब क्षेत्र में नियमित पेट्रोलिंग करने के निर्देश

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिला मुख्यालय सारंगढ़ के मुख्य सड़क मार्ग के नजदीक तुर्की तालाब का माह भर के समय अंतराल में कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने शुक्रवार की शाम को दोबारा अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने तालाब परिसर की साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण और

व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए सारंगढ़ नगरपालिका को निर्देश दिए। कलेक्टर ने तालाब परिसर की झूलों की मरम्मत कराने, दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग कराने तथा झूलों के पास इंटरलॉकिंग कराने के निर्देश दिए। साथ ही तालाब के चारों ओर लगे पेड़-पौधों और झाड़ियों की सफाई कराने तथा आसपास की नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने तुर्की तालाब का जीर्णोद्धार कराने और तालाब का पानी खाली कर उसकी समुचित सफाई कराने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने तालाब परिसर में पर्याप्त रोशनी व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए चारों ओर सभी लाइटें चालू रखने के निर्देश दिए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस को तुर्की तालाब क्षेत्र में नियमित पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जर्जर भवनों को तत्काल डिस्टमेंटल कराने को भी कहा। चौपाटी क्षेत्र में संचालित सभी दुकानदारों को अपनी दुकानों में डस्टबिन रखने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने नगरपालिका को कहा कि यदि दुकानदार सफाई व्यवस्था का पालन नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाए। इसके अलावा दुकानों के बाहर रखे सामान को हटाने के लिए पहले समझाइश देने और नहीं मानने पर जप्ती की कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने तुर्की तालाब परिसर को सुव्यवस्थित रखने के लिए रात 9:30 बजे के बाद तालाब का गेट बंद करने के निर्देश दिए। साथ ही तुर्की तालाब रोड से काली माता मंदिर तक सड़क का डामरीकरण कराने को भी कहा। निरीक्षण के दौरान सारंगढ़ एसडीएम वर्षा बंसल, नगरपालिका के अधिकारी, डिप्टी कलेक्टर उमेश साहू, तहसीलदार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।